दैनिक पंचांग
सूर्योदयः 05:27 ए एम
सूर्यास्तः 07:09 पी एम
तिथिः चतुर्थी - 12:57 ए एम, मई 24 तक
नक्षत्रः आर्द्रा - 12:39 पी एम तक
योगः शूल - 04:47 पी एम तक
करणः वणिज - 12:04 पी एम तक
द्वितीय करणः विष्टि - 12:57 ए एम, मई 24 तक
पक्षः शुक्ल पक्ष
वारः शनिवार

Digital Edition

हिन्दी दैनिक

झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

www.jharkhanddekho.com ● वर्ष 03 ● अंक 196 ● पृष्ठ 8 ● दुमका, शनिवार 15 जुलाई 2023 ● मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

नई विश्व व्यवस्था में तेजी से बदल रही भारत की भूमिका : पीएम मोदी

नई दिल्ली/एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज के समय में दुनिया एक नई विश्व व्यवस्था की ओर बढ़ रही है और भारत की भूमिका तेजी से बदल रही है। फ्रांस की अपनी दो दिवसीय यात्रा के पहले दिन पेरिस में प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, आज दुनिया एक नई विश्व व्यवस्था की ओर बढ़ रही है और भारत की भूमिका तेजी से बदल रही है। भारत इस समय जी20 और जी20 की अध्यक्षता कर रहा है। पूरा जी20 समूह भारत की क्षमता देख रहा है।

उन्होंने कहा कि चाहे जलवायु परिवर्तन हो, आपूर्ति श्रृंखला हो, आतंकवाद का मुकाबला हो या कट्टरवाद का मुकाबला हो, दुनिया भारत की ओर देख रही है। भारत-फ्रांस संबंधों की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि लोगों का लोगों से जुड़ना दोनों देशों के बीच साझेदारी की सबसे मजबूत नींव है। मोदी ने कहा, भारत और फ्रांस 21वीं सदी की कई चुनौतियों से निपट रहे हैं। इसलिए, इस महत्वपूर्ण मोड़ पर हमारे देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी का महत्व और भी बढ़ गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हालांकि वह पहले भी फ्रांस का दौरा कर चुके हैं, लेकिन इस बार उनकी यात्रा विशेष है।

उन्होंने कहा, कल (14 जुलाई) फ्रांस का राष्ट्रीय दिवस है। मैं फ्रांस के लोगों को बधाई देता हूं। मुझे आमंत्रित करने के लिए मैं फ्रांस के लोगों को भी धन्यवाद देता हूं। आज, फ्रांसीसी प्रधानमंत्री मेरे दोस्त इमैनुएल मैक्रों ने हवाईअड्डे पर मेरा स्वागत किया और कल मैं उनके साथ राष्ट्रीय दिवस परेड में भाग लूंगा। यह भारत और फ्रांस के बीच अटूट दोस्ती का प्रतिबिंब है। मोदी फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के निमंत्रण पर दो दिवसीय यात्रा पर गुरुवार को पेरिस पहुंचे। शुक्रवार को वह बैस्टिल डे परेड में शामिल होंगे, जहां वह सम्मानित अतिथि होंगे। प्रधानमंत्री मैक्रों के साथ भी बातचीत करेंगे और उनकी यात्रा के दौरान 26 राफेल विमान और तीन पनडुब्बियों की खरीद के सौदे को भी अंतिम रूप दिए जाने की संभावना है।

उड़ चला चंद्रयान-3

नई दिल्ली/एजेंसी।

चाँद पर तिरंगा लहराने भारत का चंद्रयान-3 अपनी यात्रा पर रवाना हो चुका हैभारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (ISRO) ने आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से चंद्रयान-3 को लॉन्च कर दिया है,जो लगभग 40 दिनों की यात्रा कर 23 अगस्त को चाँद के दक्षिणी ध्रुव पर कदम रखेगा।

बता दें कि चंद्रयान-3 मिशन साल 2019 में लॉन्च किए गए चंद्रयान-2 मिशन का फॉलोअप मिशन हैइसमें लैंडर की सॉफ्ट लैंडिंग और रोवर को सतह पर चलाकर देखा जाएगो हालांकि लैंडर को चांद की सतह पर लैंड कराना ही सबसे कठिन काम है 2019 में चंद्रयान-2 के विक्रम लैंडर की हार्ड लैंडिंग के कारण मिशन विफल हो गया थोचंद्रयान-3 के लैंडर के थ्रस्टर्स में परिवर्तन किया गया हैसेंसर्स अधिक संवेदनशील लगाए गए हैं। लैंडिंग के वक्त वैज्ञानिकों की सांसें थमी रहेंगी

दरअसल चंद्रयान-3 में इस बार ऑर्बिटर को साथ नहीं भेजा जा रहा हैइस बार स्वदेशी प्रोपल्शन मॉड्यूल भेज रहे हैंयह लैंडर और रोवर को चंद्रमा की कक्षा तक लेकर जाएगो इसके बाद यह चंद्रमा के चारों ओर 100 किलोमीटर की गोलाकार कक्षा में चक्कर लगाता रहेगा। इसे ऑर्बिटर इसलिए नहीं कहते,क्योंकि यह चंद्रमा का अध्ययन नहीं करेगोइसका वजन 2145.01 किलोग्राम है,जिसमें 1696.39 किलोग्राम ईंधन उपलब्ध है,यानी मॉड्यूल का वास्तविक वजन 448.62 किलोग्राम है बता दें कि चंद्रयान-2 में लैंडर, रोवर और ऑर्बिटर था,जबकि चंद्रयान-3 में ऑर्बिटर की जगह स्वदेशी प्रोपल्शन मॉड्यूल को शामिल किया गया हैहालांकि आवश्यकता पड़ने पर चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर की सहायता ली जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन से अडानी ग्रुप के प्रबंध निदेशक श्री राजेश अडाणी ने की मुलाकात

रांची।

मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन से आज झारखंड मंत्रालय में अडानी ग्रुप के प्रबंध निदेशक श्री राजेश अडानी ने मुलाकात की। इस अवसर पर राज्य के मुख्य सचिव श्री सुखदेव सिंह, अपर मुख्य सचिव ऊर्जा विभाग श्री अविनाश कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री विनय कुमार चौबे एवं अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित रहे। मुलाकात के क्रम में इस बात पर विचार-विमर्श हुआ कि झारखंड सरकार एवं अडानी ग्रुप द्वारा स्थापित गोड्डा पावर प्लांट के बीच एमओयू के शर्तों के अनुसार 400 मेगावाट

बिजली राज्य सरकार को उपलब्ध करानी है, उक्त बिजली को सस्ते दर पर उपलब्ध कराने की दिशा में शीघ्र कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने निर्देशित किया कि ऊर्जा विभाग के अधिकारी एवं अडानी पावर प्लांट के प्रतिनिधि जल्द एक बैठक आयोजित कर इस दिशा में समाधान निकालते हुए राज्य को सस्ते दर पर बिजली उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।*

साथ ही मुख्यमंत्री ने अडानी ग्रुप के प्रबंध निदेशक श्री राजेश अडानी से कहा कि पावर प्लांट के उपयोग हेतु गंगा नदी का पानी जिस क्षेत्र से होकर लाया जा रहा है, उन क्षेत्रों में कृषकों के खेतों तक पाइप लाइन के माध्यम से सिंचाई हेतु पानी पहुंचाए जाने की संभावनाओं पर कार्य योजना बनायी जाए।

देश का स्तंभ हुआ और मजबूत

सुप्रीमकोर्ट को मिले दो नए जज, सीजेआई चंद्रचूड़ ने शपथ दिलाई

नई दिल्ली/एजेंसी।

भारत के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने शुक्रवार को न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां और न्यायमूर्ति एस. वेंकटनारायण भट्टी को शपथ दिलाई। असके साथ ही अब सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ कर 32 हो गई। बुधवार को केंद्र ने इनके नामों को मंजूरी दे दी थी। केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्रालय द्वारा 12 जुलाई को जारी अधिसूचना में कहा गया कि राष्ट्रपति ने भारत के संविधान के अनुच्छेद 124 के खंड (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के तहत न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां और न्यायमूर्ति एस वेंकटनारायण भट्टी को नियुक्त किया

है। कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से वे सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश होंगे।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के नामों की अनुशंसा करने के एक हफ्ते के भीतर केंद्र ने मंजूरी दे दी। दो जजों के शपथ ग्रहण के साथ शीर्ष अदालत में जजों की कुल संख्या अब सीजेआई सहित 32 हो गई है। न्यायमूर्ति भुइयां को 2011 में गौहाटी उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था। वह अपने उच्च न्यायालय के सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश हैं और शीर्ष अदालत में पदोन्नति से पहले, वह 28 जून 2022 से तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्यरत थे। न्यायमूर्ति भुइयां टैक्स कानून में विशेषज्ञता रखते हैं। बॉम्बे हाई कोर्ट में सेवा के दौरान उन्होंने टैक्स कानून सहित कई तरह के मामलों को निपटाया है।

सुप्रीम कोर्ट में पदोन्नति से पहले जस्टिस एस वेंकटनारायण भट्टी केरल हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्यरत थे। उन्हें 2013 में आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था और वह अपने मूल उच्च न्यायालय में सबसे वरिष्ठ हैं।

न्यायमूर्ति भट्टी के पास कानून की विभिन्न शाखाओं का अनुभव है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने उनके नाम की सिफारिश करते हुए कहा, न्यायमूर्ति भट्टी की नियुक्ति उनके अर्जित ज्ञान और अनुभव के संदर्भ में मूल्यवर्धन प्रदान करेगी।

Dipendra Singh
9335448671
R.K. Choudhary
8384831556
RK marbles & tiles
मार्बल & ग्रेनाइट
राजस्थान वाले
रेलवे स्टेशन के सामने, रिंग रोड, दुमका (झारखंड)

संक्षिप्त समाचार

एलईडी टीवी पर देखा चन्द्रयान-3 का लाइव प्रसारण

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। शिकारीपाड़ा उच्च विद्यालय सरसाजोल शिकारीपाड़ा के सभी छात्र-छात्राओं, शिक्षकों व कर्मचारियों ने आज शुक्रवार को विद्यालय में लगे एलईडी टीवी पर चन्द्रयान-3 का लाइव प्रसारण लाइव देखा ।इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक असीम कुमार मंडल एवम शिक्षक विवेक मंडल,बिपत तरण मंडल,हराधन मंडल,तुषार कांत मंडल,मुकेश कुमार व सुशील मंडल उपस्थित थे ।

जनसमस्याओं के समाधान को लेकर पंचायत भवन में विशेष शिविर का आयोजन

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। बृन्दाबनी के पंचायत में शुक्रवार को पंचायत में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति एवं जनसमस्याओं के समाधान को लेकर बिशेष शिविर का आयोजन किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिविर में सुबह 10 बजे से अपराह्न तक आम लोगो से विभिन्न विषयो से संबंधित आवेदन लिया जायेगा।प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रीतिलता मुर्मू की अध्यक्षता में आयोजित शिविर में झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष बाबूजन हेम्ब्रम,मनरेगा बीपीओ संगीता सोरेन,प्रभारी पंचायती राज पदाधिकारी हरिसाधन दत्त,कनीय अभियंता पुनीत कुमार साह,बाल विकास परियोजना सुपरवाइजर बुलू घोष,कम्प्यूटर आपरेटर सुखेंदु हाजरा,पंचायत की मुखिया किरण देवी,सभी वार्ड सदस्य एवं पंचायत की सभी आंगनबाड़ी सेविका मौजूद हैं।

कालेज परिसर में पौधारोपण कर किया गया वन महोत्सव का शुभारंभ

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। मयूराक्षी ग्रामीण डिग्री कालेज परिसर में आज शुक्रवार को पौधारोपण कर वन महोत्सव का शुभारंभ किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई 2 एवं 3 की ओर से प्राचार्य डॉ अब्दुल रईस खान की अध्यक्षता में आम,सागवान और आंवला का पौधा लगाया गया। जिसमे इकाई 2 के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ स्वर्ण कुमार सिंह, इकाई 3 के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ रूपम कुमारी ने अपने अपने स्वयंसेव×को को शपथ दिलाया।मौके पर उन्होंने पौधे के संग्रक्षण एवं पौधा रोपण के महत्व पर प्रकाश डाला।इस अवसर पर उन्होंने स्वयंसेवकों को पौधारोपण के लिए प्रेरित किया।इस अवसर पर डॉ हिमांशु कुमार सिंह, प्रोफेसर अशोक कुमार रॉय,प्रोफेसर एन्थोनी हांसदा, प्रोफेसर आबिद राजा सहित सभी शिक्षकेतर कर्मचारी ने अपना सहयोग दिया।साथ ही सभी वालंटियर्स पूजा कुमारी,सोरोजीत दास,शयामसुंदर पाल नयन मंडल, राजेन टुडू,जिसु बास्की,बुधीराम बास्की आदि ने कार्यक्रम में अग्रणी भूमिका निभाई।

उपायुक्त ने किया जागरूकता प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। समाहरणालय परिसर से उपायुक्त के नेतृत्व में उप विकास आयुक्त, प्रशिक्षु आईएएस,जिला सांख्यिकी पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी एवं होड़ संवाद के संपादक चुण्डा सोरेन सिपाही द्वारा संयुक्त रूप से जन्म एवं मृत्यु निबंधन के शत प्रतिशत लक्ष्य को प्राप्त करने एवं निबंधन से संबंधित व्यापक जन जागरूकता करने के उद्देश्य से जागरूकता प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर क्षेत्र भ्रमण हेतु रवाना किया गया एवं राज्य स्तर पर चलने वाले विशेष अभियान 14 जुलाई 2023 से 14 अगस्त 2023 तक का शुभारंभ किया गया।इस अवसर पर उपायुक्त द्वारा बताया गया कि कोविड-19 महामारी के दौरान लॉकडाउन के कारण जिन बच्चों का जन्म पंजीकरण नहीं हो सका है ऐसे सभी बच्चों को चिन्हित कर उनका जन्म निबंधन कराते हुए जन्म प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराने हेतु विशेष अभियान 14 जुलाई 2023 से 14 अगस्त 2023 तक चलाया जा रहा है। विशेष अभियान के तहत सभी सरकारी स्कूल के प्रधानाध्यापक / आँगनवाड़ी पर्यवेक्षिका/सेविका / सहिया एवं एएनएम अपने-अपने क्षेत्राधिकार में प्रत्येक बच्चे का जिसके जन्म निबंधन नहीं हुआ है को स्वयं संज्ञान लेते हुए निबंधन हेतु उन सभी अभिभावक से सभी आवश्यक कागजात यथा– आवेदन पत्र, निबंधन पत्र (प्रपत्र --1) स्व अभिप्रमाणित शपथ पत्र, माता-पिता का पहचान पर, गवाहों का पहचान पत्र को संकलित करते हुए अपने क्षेत्र के संबंधित रजिस्ट्रार (जन्म-मृत्यु) को उपलब्ध कराएंगे। तत्पश्चात संबंधित रजिस्ट्रार (जन्म-मृत्यु) नियमानुसार बच्चे का जन्म निबंधन करते हुए जन्म प्रमाण-पत्र लाभुक को हस्तगत कराऐगें । इस कार्य हेतु आँगनवाड़ी पर्यवेक्षिका / सेविका / सहायिका / सभी सरकरी स्कूल के प्रधानाध्यापक / पंचायत सचिव / प्रखण्ड के प्रमुख / उप प्रमुख / सभी मुखिया को प्रशिक्षण दिया जायेगा। उपायुक्त द्वारा आम नागरिकों से अनुरोध किया कि इस अभियान में जन्म-मृत्यु पंजीकरण से छुटे हुए सभी बच्चों एवं नये जन्म लिये हुए सभी बच्चों और सभी मृत व्यक्तियों का पंजीकरण अवश्य करायें।

कॉलेज में कॉउंसलिंग हेतु रसायनशास्त्र विभाग द्वारा वेबिनार का आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। संताल परगना महाविद्यालय के रसायनशास्त्र विभाग के द्वारा स्नातक विज्ञान संकाय के अंतिम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के हितार्थ एक महत्वपूर्ण वेबिनार का आयोजन पुणे स्थित इंस्टिट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज के सयुंक्त तत्त्वाधान में किया गया। इस वेबिनार में सरंक्षक के रूप में सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो (डॉ) बिमल प्रसाद सिंह उपस्थित रहे तथा विद्यार्थियों से इस कार्यक्रम द्वारा लाभान्वित होकर बेहतर भविष्य निर्माण हेतु प्रयास करने की बात कही। साथ ही कुलपति ने महाविद्यालय के इस प्रकार के प्रयासों की प्रसंशा भी की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलसचिव डॉ संजय कुमार सिन्हा ने तकनीकी खराबी होने के बाद भी अपनी शुभकामनाएं विद्यार्थियों को दी। कार्यक्रम की शुरुआत में कार्यक्रम के संयोजक एवं महाविद्यालय प्राचार्य डॉ खिरोधर प्रसाद यादव ने अतिथियों का स्वागत किया तथा विषय प्रवेश कराया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के कॉउंसलिंग हेतु इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, पुणे के योगेश बिश्नोई जी उपस्थित हुए। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि स्नातक अंतिम सेमेस्टर के बाद विज्ञान के क्षेत्र में किस प्रकार अपना करियर बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में वनस्पति विज्ञान की डॉ अनिता चक्रवर्ती, जन्तु विज्ञान की डॉ अमिता हेम्ब्रम एवं विज्ञान संकाय के कई छात्र/ छात्राएं मुख्य रूप से जुड़े थे। कार्यक्रम समन्वयक डॉ कुमार सौरभ ने इस वेबिनार को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित किया जबकि रसायनशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ वेद प्रकाश सहाय ने कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन दिया।

होटल से एक बाईक एवं एक मोबाईल चोरी

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। गोपीकांदर थाना क्षेत्र के दुर्गापुर से एक बाईक एवं एक मोबाईल चोरी होने की घटना सामने आयी है। मामले में बाईक मालिक प्रवीण कुमार राय ने बताया कि गुरुवार की देर रात अज्ञात चोरों के द्वारा उनके दुकान सह घर के बहार खड़ी जे एच16 जी 4543 नंबर की हीरो स्प्लेंडर प्लस गोल्डन रंग की बाईक और एक रीयल मी का स्मार्टफोन चोरी कर लिया गया। उन्होंने बताया कि जिस स्मार्टफोन की चोरी हुई है वह उनके होटल में आए एक ग्राहक का था।फ़ोन मालिक होटल के बाहर खटिया में सो रहा था जब उनका नींद खुली तो देखा कि उनका फोन और प्रवीण की बाईक दोनों ही गायब है। समाचार लिखे जाने तक बाईक मालिक द्वारा मामले में प्राथमिकी दर्ज नहीं कराई गई थीं।

सिदो कान्हू युवा खेल क्लब का गठन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। दुमका जिला का पहला सिदो-कान्हू युवा खेल क्लब का गठन दुमका प्रखंड के राजबाँध पंचायत में किया गया.पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग द्वारा निर्गत अधिसूचना के आलोक में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी राजेश कुमार सिन्हा एवं जिला खेल पदाधिकारी तुफान कुमार पोद्दार के देख रेख में सिदो कान्हू युवा खेल क्लब का गठन किया गया।मुखिया योगेश मुर्मू नें आम सभा का आयोजन तथा समिति के माध्यम से सभी पदाधिकारी एवं सदस्यों का चयन करने में अहम भुमिका निभायी।राज्य में खेल संस्कृति को सुदृढ़ करने तथा राज्य के ग्रामीण युवाओं की प्रतिभा को निखारने और आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करने के लिए झारखंड सरकार के अधीन प्रत्येक गाँव में ग्राम स्तरीय सिदो कान्हू युवा खेल क्लब का गठन सभी पंचायतो में किया जाना है।सभा में सर्वसम्मति से सभी सदस्य द्वारा सिदो कान्हू युवा खेल क्लब के अध्यक्ष-अग्निसियस टुडू ,उपाध्यक्ष- सोना लाल किस्कू एवं सचिव- बबलू मुर्मू एवं कार्यकारिणी सदस्य के रूप में दिलीप टुडू, वीरेंद्र टुडू, नरेश राणा, पीयूष हेम्ब्रम, पोलूश हेम्ब्रम, मनोज टुडू सुमित्रा हांसदा, घोना हांसदा, होपना टुडू, अजय मुर्मू , रमेश हांसदा कुमारी, का चयन सर्वसम्मति से किया गया।मौके पर ग्राम के बड़ी संख्या में नौजवान एवं नागरिक उपस्थित थे।

प्रारम्भिक बाल देख-रेख एवं संरक्षण विषय पर सी-20 चौपाल कार्यक्रम का आयोजन

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। जामा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत चिगलपहाड़ी पंचायत भवन में शुक्रवार सिनी संस्था द्वारा प्रारंभिक बाल देख-रेख एवं संरक्षण विषय पर सी- 20 चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान सी-20 चौपाल के माध्यम से ग्रामीणों को सरकार के द्वारा चलाए जा रहे कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।उपस्थित ग्रामीणों को आंगनबाड़ी केंद्रों में संचालित पूरक पोषाहार,टीकारण,बृद्धि चार्ट निगरानी,पाठशाला पूर्व शिक्षा,मातृव लाभ,गर्भवती एवं धात्री माताओं और शिशुओं को आंगनबाड़ी केंद्र में मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी दी गई। इस मौके पर मुखिया बिमला किस्कू, ग्राम प्रधान बेदिका मरांडी, सहिया कुलवंती देवी,संस्था के शेखर मंडल ,पूजा मैत्रा सहित अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

मोरिंगा प्लांटेशन के लिए 62 लाभुकों का चयन

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। जामा प्रखंड मुख्यालय स्थित प्रखंड कार्यालय में शुक्रवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी सिद्धार्थ शंकर यादव के अध्यक्षता में जीवी दा हसा टीम,जेएसएलपीएस कर्मी,नीड्स संस्था एवं बीपीओ के साथ बिशेष बैठक आयोजित की गई। जिसमें मुख्य रूप से आम बागवानी,मोरिंगा प्लांटेशन,मेड़बंदी करन,ट्रेंच कटिंग डोभा आदि जल संचयन आधारित योजनाओं पर चर्चा की गई। मामले में बीडीओ सिद्धार्थ शंकर यादव ने बताया कि मोरिंगा प्लांटेशन के लिए 62 लाभुकों का चयन किया जा चुका है एवं आम बागवानी के लिए योजना का चयन किया जा चुका है। मेड़बंदी करन एवं ट्रेंच कटिंग से संबंधित योजना संचालित करने के लिए जीबी दा हसा एवं जेएसएलपीएस को लक्ष्य दिया गया है। बीपीओ एवं जीवी दा हसा के अलावा अन्य टीम निर्धारित लक्ष्य पर फोकस करेंगी। बीपीओ गीता देवी ने बताया कि एक एकड़ जमीन पर ट्रेंच कटिंग हेतु 67 गड्ढे किये जायेंगे।मनरेगा योजना से डोभा निर्माण कार्य के लिए आवश्यक प्रकिया की जा रही है। मौके पर बीपीओ गीता देवी,बृजेश यादव,अभिषेक मिश्रा,दीपक दत्ता अजीत राउत आदि अन्य कर्मी मौजूद थे।

छात्र/छात्राओं के बीच मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह- उपायुक्त, दुमका के निदेशानुसार सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी -सह- प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, दुमका द्वारा सदर प्रखण्ड अन्तर्गत वेस्टर्न इंग्लिस स्कूल, दुमका के कक्षा 10 से 12 के छात्र / छात्राओं के बीच मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2024 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया । सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी-सह- प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, दुमका द्वारा प्री-रिविजन एक्टीवीटी, विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2024 के उद्देश्यों को विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए यह बताया गया कि जिन छात्राओं का उम्र आगामी 01.01.2024 को 18 वर्ष पूर्ण हो रहा है, ऐसे सभी छात्राओं का नाम मतदाता सूची में नाम दर्ज कराया जाना है। इसके अतिरिक्त ऐसे छात्र/छात्राएं जिनका उम्र 01.10. 2024 को भी 18 वर्ष पूर्ण हो रहा है, उन सभी का मतदाता सूची में नाम दर्ज करने हेतु प्रपत्र-6 के माध्यम से नाम दर्ज किया जायेगा । विद्यालय प्रबंधन के सचिव श्री अजय कुमार दुबे के द्वारा भी विद्यालय के छात्र / छात्राओं से मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने का अनुरोध किया गया । विद्यालय प्रबंधन द्वारा बताया गया कि कुल 15 छात्र/छात्राओं का उम्र दिनांक 01.10.2024 को 18 वर्ष पूर्ण हो रहा है। ऐसे सभी छात्राओं को मतदाता सूची में नाम दर्ज करने हेतु प्रपत्र - 6 उपलब्ध कराया गया। साथ ही श्ङ्गश्री१ ल्ली'स्त्र'ल्ली अस्त्रस्त्र से भी ऑनलाईन आवेदन करने का जानकारी देते हुए नाम दर्ज करने हेतु अनुरोध किया गया। बी०एल०ओ० एवं बी०एल०ओ० सुपरवाईजर की उपस्थिति में 02 छात्र / छात्राओं का प्रपत्र - 6 ऑनलाईन प्रक्रिया के माध्यम से संबंधित बी०एल०ओ० के द्वारा दर्ज कराया गया । इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण, संबंधित मतदान केन्द्र के बीएलओ, बीएलओ सुपरवाईजर, प्रभारी प्रखण्ड कल्याण पदाधिकारी, ऑपरेटर आदि उपस्थित थे ।

TO-LET
(3600 sq ft)
GROUND FLOOR
7 room late bath attach
SECOND FLOOR
4 room and 1 hall late bath attach
Address-lakhikundi (bridge left side),Dumka
Contact number-7004213289

लंबित योजनाओं को ससमय पूर्ण करने का निर्देश

पाकुड़/झारखंड देखो।

समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त वरुण रंजन ने समाज कल्याण विभाग के तहत संचालित विभिन्न योजनाओं के प्रगति एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के साथ किया समीक्षात्मक बैठक,दिया जरूरी दिशा निर्देश. बैठक में उपायुक्त वरुण रंजन ने क्रमवार सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, पोषण ट्रैकर के संबंध में विस्तृत समीक्षा की। सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना की समीक्षा क्रम में उपायुक्त ने जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को जिला शिक्षा पदाधिकारी से समन्वय स्थापित कर विद्यालयवार योजना के तहत आहर्ता पूर्ण करने वाले छात्रों की सूची प्राप्त करने एवं उन्हें योजना से जोड़ने का निर्देश दिया। 18 वर्ष से 19 वर्ष के मतदाता सूची में दर्ज किशोर/किशोरियों का एक सप्ताह के अंदर सर्वे करवाकर योग्य लाभुकों को सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना से लाभान्वित करने का निर्देश दिया। वहीं उपायुक्त ने जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को लिट्टीपाड़ा, पाकुड़िया, हिरणपुर एवं महेशपुर आंगनबाड़ी केंद्रों में सेविका-सहायिका का आमसभा के माध्यम से चयन करने का निर्देश दिया। बैठक में मुख्यमंत्री कन्यादान योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 में निर्धारित लक्ष्य 333 है। लाभुको को चिन्हित कर योजनाओं से अच्छादित कर, शत प्रतिशत लक्ष्यों को पूर्ण करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी एवं महिला पर्वेक्षिकाओं को प्रत्येक आंगनबाड़ी केन्द्रों में प्रत्येक माह वीएचएसएनडी में सभी बच्चों का माप वजन, माप एवं स्वास्थ्य संबंधी सभी कार्यों को करते हुए जीओ टैग फोटो को पोषण ट्रैकर एप पर अपलोड करने का निर्देश दिया। वहीं सामाजिक सुरक्षा विभाग के समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने कहा कि पोर्टल में इंट्री हेतु दो हजार लाभुकों का आधार सीडिंग लंबित है।आधार सीडिंग कार्य को जल्द से जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि वैसे लाभुक जो आधार में अवैध तरीके से उम्र चेंज कर पेंशन का लाभ ले रहे हैं, वैसे लाभुक को चिन्हित कर कारवाई करने का निर्देश दिया। मौके पर सहायक समाहर्ता कृष्णकांत कनवाड़िया, जिला योजना पदाधिकारी अनूप कुजूर, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अंजू कुमारी, पाकुड़ सीडीपीओ चित्रा यादव, एसएमपीओ पवन कुमार, महिला पर्यवेक्षिका समेत अन्य उपस्थित थे।

टीबी उन्मूलन को ले लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए "स्वस्थ गाँव" की परिकल्पना की गई

पाकुड़/झारखंड देखो।

जिले में टीबी उन्मूलन हेतू पाकुड़ प्रखंड सभागार में प्रखंड प्रमुख चन्दना माल पहाड़िया की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ समिति पाकुड़, जिला यक्ष्मा केंद्र पाकुड़, पंचायती राज संस्था एवं पिरामल स्वास्थ के सहयोग से सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए ''स्वस्थ गाँव'' की परिकल्पना की गई है। इसी अवधारणा से पंचायतें यक्ष्मा मुक्त होंगे। प्रखंड विकास पदाधिकारी मो. शफीक आलम ने बताया की स्वास्थ्य उपकेंद्र एवं ग्रामीण स्तर पर कार्यरत स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा आयुष्मान भारत- हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर एवं ग्राम पंचायत सदस्यो के सहयोग से टीबी उन्मूलन की दिशा में प्रयास किये जा रहे हैं। जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ अहतेशामुद्दीन ने बताया की पाकुड़ जनजातीय बाहुल्य जिला होने के कारण जनजातीय समुदाय में यक्ष्मा से मुक्ति हेतू पंचायत राज संस्था के सदस्य जैसे प्रखंड प्रमुख, उपप्रमुख, पंचायत समिति सदस्य, मुखिया,वार्ड सदस्यों एवं समुदाय के संभावित व्यक्तियों द्वारा ग्राम क्षेत्र से टी वी के संभावित मरीजों हेल्थ एंड वेलनेस केंद्र या सामुदायिक स्वास्थ केंद्र रेफर करने में अहम योगदान रहेगा। पिरामल स्वास्थ के मनोज महतो ने बताया की अब राज्य तथा केंद्र सरकार 'टीबी मुक्त पंचायत' पहल के तहत पंचायतों को टीबी मुक्त करने के लिए प्रयासरत है।ग्राम पंचायत स्तर पर टीबी मुक्त पंचायत घोषित करने के लिए पंचायत विकास योजना में टीबी उन्मूलन कार्यक्रम संबंधित गतिविधियों को शामिल करना तथा समुदाय को टीबी के लक्षणों,जांच एवं उपचार की निशुल्क व्यवस्था,सरकार द्वारा टीबी रोगियों तथा ट्रीटमेंट सपोर्टर को दिए जाने वाले लाभों की जानकारी देना है।साथ ही पिरामल स्वास्थ के अर्जुन दास ने बताया की पंचायत राज के सदस्य जन आरोग्य समिति,ग्राम स्वास्थ्य,स्वच्छता एवं पोषण समिति की बैठकों में टीबी मुक्त पंचायत घोषित करने की शर्तों, संकेतकों पर प्रगति की समीक्षा करेंगे एवं कठिनाईयों का समाधान करने का प्रयास करेंगे। इसके अलावा समाज के सक्षम लोगों द्वारा टीबी रोगियों को फूड बास्केट देने के लिए प्रेरित कर निक्षय मित्रों की संख्या में वृद्धि करना है।जिला ढढट कॉर्डिनेटर सुशांत कुमार दुबे ने बताया कि टीबी मुक्त पंचायत के कार्यान्वयन की समय समय पर निगरानी पंचायती राज विभाग एवं जिला यक्ष्मा केंद्र द्वारा किया जायेगा। उक्त बैठक उपप्रमुख अर्चना देवी,सभी पंचायत समिति,सभी पंचायत के मुखिया, पंचायत राज के प्रखंड समन्वयक, सभी उल्ड एवं टी. वी. चैपियन शामिल हुए।

डीसी ने जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

पाकुड़/झारखंड देखो। जन्म-मृत्यु के निबंधन हेतु शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने एवं निबंधन से संबंधित विषय का व्यापक प्रचार-प्रसार करने हेतु जागरूकता रथ को उपायुक्त ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना. उपायुक्त वरुण रंजन ने कहा कि 14 जुलाई से 14 अगस्त तक जिले भर में चलने वाले जन्म-मृत्यु के निबंधन हेतु शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने एवं निबंधन से संबंधित विषय का व्यापक प्रचार-प्रसार करने हेतु जिला जनसंपर्क कार्यालय की ओर से समाहरणालय परिसर से जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस जागरूकता रथ जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं सुदूरवर्ती क्षेत्रों में जाकर लोगों को जन्म एवं मृत्यु के निबंधन हेतु जागरूक करने का कार्य करेगा। उल्लेखनीय है कि झारखण्ड राज्य में जन्म-मृत्यु निबंधन का स्तर वर्तमान में लगभग 80 प्रतिशत के आसपास है जिसे संतोषजनक नहीं माना जा सकता है। सरकार द्वारा निबंधन के लक्ष्य को शत-प्रतिशत प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके निमित्त दिनांक 14 जुलाई 2023 से 14 अगस्त 2023 तक राज्य में जिला स्तर एवं प्रखण्ड स्तर पर कोविड- 19 अवधि के दौरान छुटे हुए एवं अन्य छुटे हुए घटनाओं के शत-प्रतिशत निबंधन हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है।अभियान के दौरान जागरूकता हेतु एवं आमजनों में जन्म, मृत्यु की घटना के निबंधन के महत्व को समझाने हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार का कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस दौरान मुख्य रूप से सहायक समाहर्ता कृष्णकांत कनवाड़िया, अनुमंडल पदाधिकारी हरिवंश पंडित, जिला पंचायत राज पदाधिकारी श्री महेश राम, जिला सांख्यिकी पदाधिकारी अनूप कुजूर उपस्थित थे।

डीसी ने स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ करने को लेकर समाहरणालय सभागार में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की

पाकुड़/झारखंड देखो।

जिले में स्वास्थ्य सेवा को दुरुस्त करने को लेकर उपायुक्त वरुण रंजन ने लगातार प्रयासरत है। आज समाहरणालय सभागार में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में उपायुक्त ने जिले में संचालित सभी अस्पताल एवं स्वास्थ्य केंद्रों की आधारभूत संरचना पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। जिला अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाएं सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध सेवाएं, हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर के अंतर्गत संचालित सेवाओं, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र,उप स्वास्थ्य केंद्र एवं अटल मोहल्ला क्लिनिक में उपलब्ध ओ.पी.डी, आईपीडी लैब टेस्ट तथा संस्थागत प्रसव की उपलब्धियों पर समीक्षा कर, जरूरी दिशा निर्देश दिया। ढट - अइलक्ट योजना के कार्यक्रम पर चर्चा की गई। इसके अंतर्गत चल रहे कार्यों को ससमय पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। बैठक में सहायक समाहर्ता कृष्णकांत कनवाड़िया, सिविल सर्जन डॉ मंटू कुमार टेकरीवाल, जिला आर.सी.एच पदाधिकारी डॉ मनीष, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ एहतेशाम, जिला भीबीडी पदाधिकारी पदाधिकारी डॉ अमित कुमार, सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, सभी जिला कार्यक्रम प्रबंधक कंसलटेंट एवं सभी ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर समेत अन्य उपस्थित थे।

20 सूत्री की बैठक किया गया

पाकुड़िया(पाकुड़)/झारखंड देखो। प्रखंड मुख्यालय पाकुड़िया प्रांगण स्थित सभागार भवन में शुक्रवार को बीस सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति की बैठक अध्यक्ष मोतीलाल हांसदा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई । इस दौरान पुराने बैठकों की संपुष्टि के उपरांत नये प्रस्तावों पर चर्चा की गई साथ ही सभी प्रमुख विभागों के कार्यों की भी बिंदुवार समीक्षा की गई। मौके पर बीडीओ मनोज कुमार, अंचल निरीक्षक किरण डांग, थाना प्रभारी अभिषेक राय, चिकित्सक गंगाशंकर साह, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी मरशील सोरेन, मैनुद्दीन अंसारी,जगदीश पंडित, सहित खुर्शीद आलम, अशोक भगत, मु इस्लाम अंसारी, पशुपालन पदाधिकारी, पीएचईडी जेई , कल्याण पदाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी ने दर्जनों राशन दुकानों का किया निरीक्षण

लिट्टीपाड़ा(पाकुड़)/झारखंड देखो। प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी पदम किशोर महतो ने शुक्रवार को प्रखण्ड क्षेत्र के सभी राशन दुकानदारों को लाभुको के बीच सो फीसदी अनाज वितरण करने का हिदायत दिया। उन्होंने क्षेत्र के दर्जनों राशन दुकानों का निरीक्षण किया। उन्होंने करमाटार पंचायत क्षेत्र के राशन दुकानदार सुरजा पहाड़िया, लक्ष्मी एसएचजी, रमेश मालतो, रामा एसएचजी, जामजोड़ी पंचायत उनील मरांडी, अनिल मरांडी, उपलबाहा एसएचजी, अकड़बाहा एसएचजी के साथ जोरडीहा पंचायत के उजाला एसएचजी, धरमा पहाड़िया तथा कुजबोना पंचायत के शिवचरण मुर्मू, मोतीलाल मुर्मू सहित पश्चिमी पहाड़ी क्षेत्र के सभी राशन दुकानदारों को हर हालत में अनाज का वितरण सो फीसदी करने का नसीहत दिया। एमओ ने कहा अनाज वितरण में कोई बहाना नही चलेगा। जिन दुकानदारों का वेट मशीन खराब है वे अविलम्ब सम्बन्धित ऑपरेटर से ठीक करवा लें और इपोक्स मशीन में समस्या हो तो ऑपरेटर से सम्पर्क कर तुरुस्त करवाये। जिस दुकानदार को कोई भी समस्या है वे विभाग से सम्पर्क कर निदान करवाने का प्रयास करे। क्षेत्र के किसी भी लाभुक को अनाज देने में आना कानी नही करे अन्यथा शिकायत मिलते ही जिला आपूर्ति पदाधिकारी द्वारा करवाई की जाएगी।

खाद्यान्न गबन मामले में डीएसओ ने की बड़ी कार्रवाई, राधा स्वयं सहायता समूह को निलंबित एवं रद्द किया

पाकुड़/झारखंड देखो।

उपायुक्त ने पूर्व ही निर्देश दिया था कि ससमय खाद्यान्न का वितरण सभी डीलरों को करना है, नहीं करने वाले के ऊपर सख्त से सख्त कार्रवाई करने का निर्देश डीएसओ को दिया था. डीएसओ ने की बड़ी कार्रवाई, पाकुड़ प्रखंड के जन वितरण प्रणाली विक्रेता, राधा स्वंय सहायता समूह,अनुज्ञप्ति सं०-02/2012,पंचायत-दादपुर को खाद्यान्न गबन मामले में निलंबित एवं रद्द किया. जिला आपूर्ति पदाधिकारी संजय कुमार दास के द्वारा बड़ी कार्रवाई करते हुए राधा स्वयं सहायता समूह जन वितरण प्रणाली विक्रेता,पंचायत- दादपुर, प्रखंड-पाकुड, जिला - पाकुड (अनुज्ञप्ति सं०-02/2012) के खाद्यान्न गबन के मामले में निलंबित अथवा रद्द कर दिया गया है। प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी, पाकुड़ के द्वारा 25 जून को राधा स्वयं सहायता समूह जन वितरण प्रणाली विक्रेता, पंचायत-दादपुर, प्रखंड पाकुड़ जिला - पाकुड (अनुज्ञप्ति सं०-02/2012) का जांच कर जांच प्रतिवेदन समर्पित किया गया है।

» जांच प्रतिवेदन में उल्लेखित तथ्य निम्नवत है

आपके द्वारा संबद्ध कार्डधारियों को समय पर नियमित खाद्यान्न उपलब्ध नहीं कराया जाता है। आपके द्वारा अधिकांश कार्डधारियों को दो महीना खाद्यान्न वितरण नहीं किया गया है।आपके द्वारा कुछ कार्डधारियों का तीन महीना एवं कुछ कार्डधारियों को एक महीना खाद्यान्न बकाया है। जांच के क्रम में ऑफलाईन के आधार माह अप्रैल 2023 से जून, 2023 तक 135 कार्डधारियों का कुल खाद्यान्न की मात्रा 73.35 क्विंटल वितरण नहीं किया गया। यदि ऑनलाईन में देखा जाय तो अब तक आपके द्वारा 40.20 क्वी० खाद्यान्न का वितरण नहीं किया गया है, जो आपके दुकान में सुरक्षित रहना चाहिए था, जो नहीं है। उक्त परिपेक्ष्य में अनियमितता के कारण प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी, पाकुड द्वारा आवश्यक कार्रवाई करते हुए निलंबित अथवा रद्द करने की अनुशंसा की गयी है। उक्त के क्रम में इस कर्यालय के दिनांक

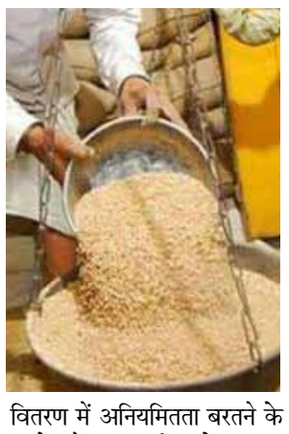

06.07.2023 के द्वारा राधा स्वयं सहायता समूह, जन वितरण प्रणाली विक्रेता, पंचायत- दादपुर प्रखंड-पाकुड, जिला- पाकुड (अनुप्ति सं०-02 /2012) से तीन दिनों के अंदर स्पष्टीकरण की मांग की गई।दिनांक 13.07.2023 तक राधा स्वयं सहायता समूह जन वितरण प्रणाली विक्रेता, पंचायत दादपुर प्रखंड-पाकुड़, जिला - पाकुड़ (अनुज्ञप्ति सं०-02 / 2012) द्वारा इस कार्यालय को कोई स्पष्टीकरण समर्पित नहीं किया गया है और न ही कोई आवेदन समर्पित किया गया हैं। पूर्व में भी आपके द्वारा खाद्यान्न वितरण में अनियमितता बरतने के आरोप में इस कार्यालय के माध्यम से स्पष्टीकरण करते हुए निलंबित किया गया था। कार्डधारियों के ब्यान के आधार (ऑफलाईन) विक्रेता द्वारा ससमय खाद्यान्न उपलब्ध नहीं कराने, माह अप्रैल 2023 से जून, 2023 तक 135 कार्डधारियों का कुल 73.35 क्वींटल खाद्यान्न वितरण नहीं करने एवं खाद्यान्न वितरण में अनियमितता जो झारखण्ड जन वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश 2022 के अध्याय क्ष के कंडिका 20 का (७५) का ख एवं छ का उल्लंघन का मामला बनता है। अतः राधा स्वयं सहायता समूह, जन वितरण प्रणाली विक्रेता, पंचायत-दादपुर, प्रखंड-पाकुड, जिला - पाकुड (अनुज्ञप्ति स०-02 /2012) को झारखण्ड लक्षित जन वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश. 2022 के अध्याय क्ष के धारा 20 (७७) के तहत तत्काल प्रभाव से रद्द किया जाता है। झारखंड लक्षित जन वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश - 2022 की कंडिका 31 के तहत प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी पाकुड़ को निदेश दिया जाता है कि राधा स्वयं सहायता समूह, जन वितरण प्रणाली विक्रेता, पंचायत दादपुर प्रखंड - पाकुड़, जिला - पाकुड (अनुज्ञप्ति सं०-02 / 2012) के पास वितरण हेतु यदि सामग्री अवशेष है तो संबंधित कार्डधारियों के बीच वितरण कराना सुनिश्चित करेंगे तथा राधा स्वयं सहायता समूह, जन वितरण प्रणाली विक्रेता से संबद्ध कार्डधारियों को सबसे नजदीकी जन वितरण प्रणाली विक्रेता से संबंद्ध करने का प्रस्ताव तीन दिनों के अंदर देना सुनिश्चत करेंगे साथ ही राधा स्वयं सहायता समूह, जन वितरण प्रणाली विक्रेता, पंचायत-दादपुर प्रखंड-पाकुड़, जिला-पाकुड़ (अनुज्ञप्ति सं०-02 / 2012) को निर्गत ए-स्त्रङ्ग२ मशीन उनसे वापस लेकर सम्बद्ध होने वाले जन वितरण प्रणाली विक्रेता को हस्तगत कराना सुनिश्चित करेंगे। जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी, पाकुड़ को निदेश दिया कि राधा स्वयं सहायता समूह, जन वितरण प्रणाली व पंचायत- दादपुर, प्रखंड- पाकुड़, जिला- पाकुड (अनुज्ञप्ति स० -02/2012) के पास ऑफलाईन आवंटन वितरण एवं अवशेष खाद्यान्न भंडार 73.35 क्वी० एवं ऑनलाईन आवंटन, वितरण एवं अवशेष खाद्यान्न भंडार 40.20 क्वी० लंबित है पुनः ऑनलाईन/ऑनलाईन अवशेष खाद्यान्न का आकलन कर वसूल करते हुए संबद्ध विक्रेता को खाद्यान्न उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। यदि ऑकलित खाद्यान्न संबद्ध विक्रेता को उपलब्ध नहीं कराते है तो उससे समतुल्य राशि ई-पॉस में परिलक्षित दर पर जितनी राशि होगी उतनी राशि वसूलनीय हेतु निलाम पत्र वाद के साथ साथ प्राथमिकी दर्ज करना सुनिश्चित करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

बच्चा चोरी के आरोप में विक्षिप्त युवक को बनाया बंधक

हिरणपुर(पाकुड़)/झारखंड देखो। तुरसाडीह में गुरुवार रात बच्चा चोरी के कथित आरोप में एक विक्षिप्त युवक को ग्रामीणों ने बंधक बनाकर रखा। जिसे शुक्रवार को पंचायती कर छोड़ दिया गया। ग्रामीणों के अनुसार धोवाडांगा के मानसिक रूप से विक्षिप्त रूप से विक्षिप्त युवक रौशन कुमार साहा रात करीब 12 बजे गांव के देवेंद्र यादव के घर के छत में सीडी के माध्यम से चढ़ गया। जहाँ छत में सोये बच्चे को उठाने लगा। इसी बीच बच्चा जोर जोर से चिल्लाने लगा। इसके बाद घर मे रहे लोगो ने विक्षिप्त युवक को पकड़कर बंधक बना लिया। इसको लेकर सुबह गांव में पंचायती भी हुई। इसके बाद छोड़ दिया गया। ग्रामीणों ने बताया कि युवक रात को अचानक घर मे चढ़ गया था व बच्चे को उठा रहा था। वही युवक की माँ आशा देवी ने बताई की पुत्र की काफी महीनों से दिमागी हालात खराब है।जिसका इलाज चल रहा है। मानसिक विक्षिप्तता के कारण युवक से यह घटना किया है। उधर थाना प्रभारी सुनील कुमार रवि ने बताया कि युवक मानसिक रूप से विक्षिप्त है।इसलिए यह घटना हुई।

जेंडर सीआरपी का दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन

पाकुड़/झारखंड देखो। झारखण्ड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी,पाकुड़ सदर के सौजन्य से शुक्रवार को प्रखंड परिसर स्थित सामुदायिक प्रशिक्षण केंद्र के सभागार में जेंडर सीआरपी दीदियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण जिला कार्यक्रम प्रबंधक प्रवीण मिश्रा की उपस्थिति में आयोजन हुआ। डीपीएम प्रवीण मिश्रा के द्वारा जेंडर सीआरपी के कार्य एवं जिम्मेवारी, सामाजिक विकास कार्यक्रमों पर विस्तारपूर्वक अहम जानकारी दी गई। साथ ही साथ बदलाव मंच, बदलाव दीदी, घरेलू हिंसा, लैंगिक समानता,महिलाओं को अपने अधिकार और हक,महिलाओं से संबंधित जैसे बाल विवाह, दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा,शिक्षा अधिकार, डायन उन्मूलन आदि विषयों के बारे में सभी को जागरूक किया गया एवं जेएसएलपीएस के द्वारा चल रहे विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई एवं दीदियों को सखी मंडल और ग्राम संगठन का नियमित बैठक करना, पंचसूत्रा का पालन करना,खाता बही का संधारण करना तथा महिलाओं को रोजगार से जोड़कर स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। मौके पर बीपीएम मो फैज़ आलम, बीपीओ सुभाष कुमार भगत, बीएपी सबिना यास्मीन, वाईपी सारथी कुमारी सहित सभी पंचायतो की जेंडर सीआरपी उपस्थित थे।

नामांकन के नाम से राशि की वसूली, अभिभावकों ने किया हंगामा

हिरणपुर(पाकुड़)/झारखंड देखो। हिरणपुर प्रखंड अंतर्गत बरमसिया स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय के बच्चो से नामांकन के नाम पर राशि वसूलने का मामला प्रकाश में आया है। इसको लेकर अभिभावकों ने विद्यालय निकट शुक्रवार को प्रधानाध्यापक योगेश्वर प्रसाद साहा के विरुद्ध नाराजगी जाहिर करते हुए बीईईओ रफीक आलम को लिखित शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। अभिभावक पिंटू पांडे, समीर अंसारी, आस मोहम्मद अंसारी, राजेन्द्र राय सहित 15 अभिभावकों ने कहा कि विद्यालय के प्रधानाध्यापक के द्वारा नामांकन के नाम पर बच्चो से 500 से 1000 रुपये तक कि वसूली की जा रही है। वही बच्चो की ऑनलाइन कराने के लिए 50 से 100 रुपये तक ली जा रही है। विद्यालय में जितने भी बच्चा आता है, इसमे से आधा बच्चा तो एमडीएम नही खाकर घर वापस चला जाता है। इसके बावजूद एमडीएम में सभी बच्चो की उपस्थिति दर्शाया जाता है। इसको लेकर प्रधानाध्यापक से सम्पर्क करने पर बताया कि अभिभावकों ने जो भी आरोप लगाया है, सरासर गलत व मनगढ़ंत है। गांव के लोग आपसी द्वेषवश यह आरोप लगा रहा है। उधर बीईईओ से सम्पर्क करने पर बताया कि शिकायत पत्र मिली है। इसकी जल्द ही विद्यालय जाकर सघन जांच की जाएगी। इसमे प्रधानाध्यापक की संलिप्ता पाए जाने पद से हटा दिया जाएगा व आवश्यक कार्रवाई भी की जाएगी।

1 लाख 65 हजार 500 में हुई लकड़ी नीलामी

पाकुड़/झारखंड देखो। शुक्रवार को अमड़ापाड़ा प्रखंड विकास पदाधिकारी कार्यालय में लकड़ी नीलामी की गई। पश्चिम बंगाल के फटिक शेख ने सबसे अधिक बोली लगाकर एक लाख पैसठ हजार रुपये में अपने नाम कर लिया. इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी ने लकड़ी की नीलामी प्रक्रिया पूरी की। नीलामी प्रक्रिया में 9 लोगों ने हिस्सा लेकर बोली लगाया। प्रखंड विकास पदाधिकारी कुमार देवेश द्विवेदी ने बताया कि प्रखंड मुख्यालय के 19 वृक्ष की नीलामी की गई. जिसमें पश्चिम बंगाल के फटिक शेख ने सबसे अधिक बोली 1 लाख 65 हजार 500 लगाकर सभी वृक्ष को अपने नाम कर लिया.

पानी की समस्या को लेकर सैकड़ों ग्रामीणों ने किया बीडीओ से डीप बोरिंग कराने की मांग

पाकुड़िया(पाकुड़)/झारखंड देखो। पाकुड़िया प्रखण्ड के डोमनगढ़िया पंचायत के जमसोल ग्राम में जल स्तर नीचे जाने से बड़ी समस्या उत्पन्न होने के कारण 17 जून को पंचायत समिति सदस्य बैठक में जमसोल ग्राम में ग्रामीणों को पानी उपलब्ध करने कि चर्चा किया गया ।जिसमें जामसोल ग्राम में डीप बोरिंग कराने के लिए विभाग से संबंधित पदाधिकारियों को कहा गया। डीप बोरिंग नहीं होने के कारण पूर्वी क्षेत्र के जिला परिषद सदस्य एवं डोमन गढ़िया पंचायत के मुखिया सुभाष हेम्ब्रम एवं जामसोल ग्राम के दर्जनों ग्रामीण ने शुक्रवार को पाकुड़िया प्रखंड मुख्यालय आकर प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार को ज्ञापन सौंपकर डीप बोरिंग कराने की मांग की। प्रखंड विकास पदाधिकारी कुमार ने जमसोल ग्राम के ग्रामीणों को आश्वासन देते हुए वर्तमान विधायक प्रोफेसर स्टीफन मरांडी एवं पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के संबंधित पदाधिकारियों से डीप बोरिंग कराने की बात करेंगे।

ग्राम प्रधान की विशेष बैठक में विभिन्न स्तरों पर चर्चा

पाकुड़िया(पाकुड़)/झारखंड देखो। प्रखंड मुख्यालय पाकुड़िया प्रांगण में शुक्रवार को अंचल के ग्राम प्रधानो कि एक विशेष बैठक की गई। आहूत बैठक में प्रधान सनत टुडू की अध्यक्षता में सभी ग्राम प्रधान की बैठक किया गया। इसमें मुख्य रूप से रूढ़िवादी प्रथा एवं ग्राम सभा के बारे में चर्चा किया गया। प्रधान टुडू ने बताया कि ग्राम में रूढ़ि प्रथा के अनुसार जो बैठक या विचार फैसला होता है वह पंचायत के ग्राम सभा से अलग है। बैठक में हर एक गांव में छोटे बड़े विभिन्न प्रकार के समसयाओं को गांव में सुलझाने को लेकर चर्चा किया गया ।साथ ही सभी प्रधान को लगान वसूल करने को कहां गया। इसके अलावे कहां गया कि जहाँ- जहाँ ग्राम प्रधान, परगना, गुडित, नयकी आदि की बहाली नहीं है वहां जल्द से जल्द ग्बहाली किया जाय। मौके पर अंचलाधिकारी किरण डांग, अंचल निरीक्षक सुभाष यादव, अंचल के ग्राम प्रधान अध्यक्ष जगर हेम्ब्रम, सचिव सनत कुमार सोरेन, जगरनाथ मुर्मू, श्यामचंद हेम्ब्रम,सुनील किस्कु, रंजीत बेसरा, एमेली हेम्ब्रम, एलविन सोरेन, सोनामुनी बास्की, बिटिया मुर्मू सहित सैकड़ों ग्राम प्रधान मौजूद थे ।

डॉ झा जैसे अनुभवी एवं बहुमुखी प्रतिभा के धनी व्यक्ति किसी भी संस्था एवं समाज के लिए प्रकाश पुंज होते हैं, जो अपने अनुभवों से सभी को मार्गदर्शित करते हैं: रेणुका तिग्गा

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। पीएचडी के मानद उपाधि से सम्मानित होने वाले प्लस टू जिला स्कूल के राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक डॉ दिलीप कुमार झा को प्लस टू जिला स्कूल, दुमका परिवार शुक्रवार को सम्मान समारोह का आयोजन कर सम्मानित किया। ज्ञातव्य हो कि सोशल अवेयरनेस एन्ड पीस यूनिवर्सिटी फ्लोरिडा यूएसए द्वारा प्लस टू जिला स्कूल, दुमका के राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक दिलीप कुमार झा को शिक्षा एवं समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर डॉक्टरेट ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) की मानद उपाधि से नवाजा गया है। उन्हें यह सम्मान 21 मई को आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह 2023 में वर्चुअल रूप से प्रदान किया गया था। अंग्रेजी विषय के अनुभवी शिक्षक डॉ झा को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं अतुलनीय योगदान के लिए राष्ट्रपति द्वारा 2012 में राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। डॉ दिलीप कुमार झा शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए शिक्षा विभाग द्वारा 2010 में राज्य पुरस्कार एवं कई बार जिला स्तरीय पुरस्कार से भी सम्मानित हो चुके हैं। झारखंड विधान सभा के स्थापना दिवस के अवसर पर झारखंड विधानसभा में 22 नवम्बर 2021 को होने वाले सम्मान समारोह में भी डॉ दिलीप कुमार झा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के करकमलों द्वारा सम्मानित हो चुके हैं।डॉ झा प्लस टू जिला स्कूल, दुमक के एसोसिएट एनसीसी पदाधिकारी भी हैं।डॉ दिलीप कुमार झा छात्रों एवं शिक्षक समाज के बीच एक लोकप्रिय, व्यवहार कुशल एवं बहुमुखी प्रतिभा के धनी शिक्षक हैं। डॉ दिलीप कुमार झा जिला प्रशासन एवं एनसीसी तथा स्काउट एवं गाइड द्वारा आयोजित विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों में भी बढ़चढ़ कर भाग लेते हैं। सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जिला शिक्षा पदाधिकारी,रेणुका तिग्गा ने डॉ दिलीप कुमार झा को सम्मानित करते हुए कहा कि पीएचडी का मानद उपाधि प्राप्त कर डॉ झा पूरे विद्यालय परिवार के साथ साथ शिक्षा विभाग एवं दुमकावासियों को भी गौरवान्वित किया है। डॉ झा इसी तरह अपने साथ साथ शिक्षा विभाग एवं झारखंड का नाम रौशन करते रहे यही हम सबकी कामना है। डॉ झा जैसे अनुभवी एवं बहुमुखी प्रतिभा के धनी व्यक्ति किसी भी संस्था एवं समाज के लिए प्रकाश पुंज होते हैं, जो अपने अनुभवों एवं ज्ञान से सभी को मार्गदर्शित करते हैं। सम्मान समारोह में डॉ झा को सम्मानित करते हुए प्लस टू जिला स्कूल, दुमका के प्रभारी प्राचार्य डॉ सत्येन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि विद्यालय परिवार के अनुभवी एवं सक्रिय सदस्य डॉ झा को पीएचडी की मानद उपाधि प्राप्त होने पर पूरा विद्यालय गौरवान्वित है। डॉ सत्येन्द्र ने कहा कि जीवन में सेवा क्षेत्र में सक्रिय रहते हुए एवं अपने कर्तव्यों को ईमानदारी पूर्वक पालन कर हम समाज के लिए आदर्श एवं सम्मान के अधिकारी बन सकते हैं।जिला स्कूल,दुमका परिवार के तरफ से सम्मानित होने पर डॉ दिलीप कुमार झा ने कहा कि मेरे लिए आज का दिन गौरवशाली क्षण है। डॉ झा ने कहा कि जब कोई व्यक्ति अपने कर्तव्यों का निर्वहन कुशलता पूर्वक करते हुए अपने परिवार एवं संस्था द्वारा सम्मानित होता है तो वह एक यादगार पल होता है। डॉ झा ने कहा कि समाज एवं अपने संस्थान से सम्मानित होकर व्यक्ति समाज सेवा एवं अपने कर्म क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए ज्यादा सक्रिय हो जाता है। मौके पर उपस्थित विद्यालय के छात्र/ छात्राओं के अलावे विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने डॉ झा को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

रिसर्च प्रोग्रेसिव टीम के सदस्यों की एक शोध परिचर्चा हुई

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। सिदो कान्हु मुर्मू विवि के समाज विज्ञान संकाय के अंतर्गत अकादमिक शोध गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए संकायाध्यक्ष समाज विज्ञान डॉ जैनेंद्र यादव के मार्गदर्शन में गठित ' रिसर्च प्रोग्रेसिव टीम' के सदस्यों की एक शोध परिचर्चा हुई । टीम के नेतृत्वकर्ता स्नातकोत्तर मनोविज्ञान के विभाग के विभागाध्यक्ष सह कोर्स कॉर्डिनेटर डॉ विनोद कुमार शर्मा ने शोध कार्य के प्रति ईमानदार व कर्तव्यनिष्ठ होने की बातें दुहराई तथा सामाजिक दायित्वों को निर्वहन के तहत समय पर शोध कार्य को अंजाम देने को कहा । डॉ शर्मा ने स्वास्थ्य, सामाजिक समस्याओं के निराकरण सहित कई व्यवहारिक विषयों पर शोध करने हेतु ध्यान आकृष्ट किया । अभिप्रेरित किया । वही शोधार्थियों ने देश व्यापी मुद्दा ' समान कानून संहिता (यू सी सी) के प्रति मनोवृत्ति सर्वेक्षण व उसका पड़ने वाले मनो सामाजिक संभावित प्रभावों का एक पायलट स्टडी के तहत अध्ययन करने पर सहमति हुई । यह अध्ययन स्तरीय यादृच्छिक प्रतिदर्श पर आधारित अध्ययन होगा जिसमें दुमका व देवघर जिले के लोगों को प्रतिदर्श में शामिल किया जायेगा । इस अध्ययन कार्य को डॉ विनोद कुमार शर्मा समाजशास्त्र, इतिहास व राजनीतिक विज्ञान के शोधार्थी इस शोध को दिये समय में पूर्ण करेंगे ।

शिक्षा से संबंधित समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री से मिलेगी स्मिता

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। झारखंड स्टेट प्रायमरी टीचर्स एसोसिएशन दुमका इकाई की महिला अध्यक्ष स्मिता हासदा ने कहा कि झारखंड सरकार द्वारा प्रत्येक स्कूल या झारखंड के सभी स्कूलों में बच्चों को पढ़ने के लिए मुफ्त किताबें मुफ्त भोजन मुक्त स्कूल ड्रेस मुफ्त में कापिया दी जाती है ।यानी कि हर चीज उपलब्ध कराया जाता है बच्चों को मुफ्त में लेकिन एक बात की चिंता लगी रहती है ।जब बच्चे आठवीं क्लास पास करके उच्च शिक्षा हेतु नामांकन कराने के लिए या तो सरकारी स्कूल हो या अर्ध सरकारी स्कूल है कुछ पैसे की मांग की जाती है ।जहां बच्चे देने में असमर्थ हो जाते हैं कुछ-कुछ अर्ध सरकारी स्कूलों में रू 700 करके एडमिशन फी मांगा जाता है। जिस कारण दुमका के गरीब बच्चे नामांकन नहीं करा पाते हैं। उन्हें उन्नत ड्रॉपआउट समझा जाता है समझाता है ।लेकिन वाकई में सच्चाई है यह नहीं है बच्चे पैसे का भाव में उच्च शिक्षा प्राप्त करने में और असमर्थ जाते हैं। जिले में उच्च शिक्षा कैसे हैं जो अपने पॉकेट से पैसे देकर बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए नामांकरण कराते हैं। लेकिन आने वाले दिनों में मैं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलकर इस समस्या का निदान कराने का प्रयास करूंगी। ताकि सही बच्चे एक समान शिक्षा ले सकें।

एन्टी क्राईम चेकिंग के दौरान 1 देसी पिस्टल बिना मैग्जीन लोडेड के साथ दो अभियुक्त गिरफ्तार

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

देवघर। आज दिनांक-14.07.2023 को द्वितीय पाली के दौरान आध्यात्मिक केन्द्र बरमसिया सरकार भवन रोड में पु0अ0नि0 विजय कुमार किण्डो चतरा जिला बल के द्वारा पुलिस अधीक्षक के आदेशानुसार एन्टी क्राईम चेकिंग लगाया गया था। जिसमें एक प्लेटिना हरियाणा नं0-ल्फ-06द9825 पर सवार दो व्यक्ति एक हैण्ड बैग लटकाये जा रहे जिसे रोककर चेक किया गया जिसके बैग की चेकिंग

के दौरान 01 देसी पिस्टल बिना मैग्जीन लोडेड तथा 03 ए0टी0एम0 दो बड़ा मोबाईल सैमसंग तथा 3700 रु0 के साथ पकड़ा जिसे चेकिंग पदाधिकारी पु0अ0नि0 विजय कुमार की सूचना पर ओ0पी0-12 लाया गया तथा वरीय पदाधिकारी के आदेशानुसार सभी सामानों का जप्ति सूची तैयार करते हुए चेकिंग पदाधिकारी पु0अ0नि0 विजय कुमार दो अभियुक्त (1) हर्ष राज सिन्हा, पे0-मुकेश कु0 सिन्हा (2) पवन कुमार यादव, पे0-दिलीप यादव दोनो सा0-कुण्डा, जिला- देवघर को अग्रिम कार्यवाई करने हेतु नगर थाना ले जाया गया । देवघर पुलिस द्वारा लगातार दैनिक एन्टी क्राइम चेकिंग चलाया जा रहा है और श्रद्धालुओं के सुरक्षा व्यवस्था के लिए देवघर पुलिस सदैव मुस्तैद हैं।

संक्षिप्त समाचार

एम. कॉम. सेमेस्टर-1 परीक्षा का परिणाम प्रकाशित

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग ने एम. कॉम. सेमेस्टर-1, सत्र- 2022-24 परीक्षा का परिणाम प्रकाशित कर दिया हैं. इस परीक्षा में कुल 89.36 फीसदी परीक्षार्थी उतीर्ण हुए. परिणाम को कल से विश्वविद्यालय का आधिकारिक वेबसाइटः https://skmu.ac.in/पर देखा जा सकता है. बताते चले यह परीक्षा 28 जून को समाप्त हुआ था और आज परीक्षा विभाग ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. विमल प्रसाद सिंह के निर्देशनुसार मूल्यांकन को केंद्रीकृत करके सिर्फ 16 दिनों में पीजी सेमेस्टर-1 के कॉमर्स विषय का परिणाम जारी कर दिया.

आज से शुरू होगी 21 केंद्रों पर यू.जी. सेमेस्टर-1 की परीक्षा

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। 15.जुलाई से चार वर्षीय यूजी सेमेस्टर-1, सत्र-2022-26 की परीक्षा शुरू हो रही है। परीक्षा का सफल आयोजन के लिए परीक्षा विभाग ने विभिन्न कॉलजों में कुल 21 परीक्षा केंद्र बनाया गया है। उक्त परीक्षा में वैसे छात्र-छात्राएं शामिल होंगे जिन्होंने नई शिक्षा नीति के तहत चार वर्षीय यूजी प्रोग्राम में नामांकन लिया है। आज द्वितीय पाली में उद्यमिता एवं कौशल विकास, विधिक जागरूकता एवं ग्रामीण विकास के मुद्दे विषय जैसे वोकेशनल विषयों की परीक्षा होगी. बताते चले विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति 2020 के तहत चार वर्षीय यूजी प्रोग्राम का यह पहला बैंच है जिसकी परीक्षा आज से शुरू हो रही है यह परीक्षा 5 अगस्त तक चलेगी। परीक्षा का सफल आयोजन के लिए परीक्षा विभाग ने सभी विषयों को कुल तीन ग्रुप में बांटा दिया है। परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजीव रंजन सिन्हा ने कहा परीक्षा का सफल आयोजन के लिए विभागीय स्तर पर आवशयक तैयारी कर ली गयी है। इस परीक्षा के लिए विभिन्न कॉलेजों में कुल 21 केंद्र बनाया गया है जिसमें लगभग 30000 परीक्षार्थी शामिल होंगे.

कोयला की अवैध खदान से वन विभाग ने किया एक मोटरसाइकिल एवं 2 क्विंटल कोयला जप्त

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। शिकारीपाड़ा वन क्षेत्र के लिटिया पहाड़ में चल रही कोयला की अवैध खदान से वनपाल तारामंडल ने आज शुक्रवार को एक मोटरसाइकिल एवं 2 क्विंटल कोयला जप्त कर वन परिसर लाया है। उल्लेखनीय है कि शिकारीपाड़ा वन क्षेत्र अंतर्गत तू डाल डाल मैं पात पात वाली कहावत चरितार्थ हो रही है।वन विभाग वन क्षेत्र अंतर्गत चल रही कोयला की अवैध खदानों को बंद करने के लिए जहां लगातार प्रयास कर रहा है और जेसीबी मशीन से डोजरिंग कर रहा है वही कोयला माफिया भी वन विभाग से 2 कदम आगे चल रहे हैं। वन विभाग डोजरिंग कर वापस होता है तो कोयला माफिया पुनः कोयला का उत्खनन शुरू कर देते हैं। वनपाल मंडल ने बताया कि सूचना प्राप्त हुई थी कि लिटिया पहाड़ में दोबारा कोयला का अवैध उत्खनन शुरू कर दिया गया है।वनरक्षीयों के साथ जब लिटिया पहाड़ पहुंचे तो कोयला खनन कार्य में लगे लोग भाग गए। अवैध कोयला खदान के निकट से एक मोटरसाइकिल एवं 2 क्विंटल कोयला जप्त कर वन परिसर लाया गया है।उन्होंने बताया कि अवैध कोयला खदान संचालक को भी चिन्हित कर लिया गया है।खदान संचालक के विरुद्ध ओसीआर केस दायर किया जाएगा।

फरार लकड़ी व्यवसायी को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। रामगढ़ थाना काण्ड संख्या 20/2022 के तहत दर्ज मामले के आरोपी पिंटु कुमार मिस्त्री उर्फ पिंटु मिस्त्री को रामगढ़ थाने के एएसआई अशोक कुमार चौरसिया के नेतृत्व में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।आरोपी भादवि की धारा 414/34 तथा भारतीय वन अधिनियम की धारा 33 के तहत दर्ज मामले का प्राथमिकी अभियुक्त है।आरोपी की गिरफ्तारी उसके दुमका के हरणा कुंडी स्थित निवास से की गई है।थाना प्रभारी अरविंद कुमार राय के अनुसार पिंटू कुमार मिस्त्री उर्फ पिंटू मिस्त्री उम्र- 25 वर्ष पिता- गोपाल मिस्त्री मूल रूप से ग्राम- पथरी महेश लिटी थाना- जरमुंडी जिला- दुमका का निवासी है।लकड़ी के अवैध व्यापार के मामले में वह पिछले कई महीनों से फरार चल रहा था।गिरफ्तारी के बाद मेडिकल जांच कराकर आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

अनियमित बिजली आपूर्ति से बिजली उपभोक्ताओं में आक्रोश

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। बिजली की अनियमित आपूर्ति से रामगढ़ प्रखंड के विद्युत उपभोक्ता परेशान हैं।घंटों तक विद्युत आपूर्ति का बाधित रहना यहां के लिये रोजमर्रा की बात हो गई है।विद्युत आपूर्ति में कटौती का कारण बताने वाला भी यहां कोई नहीं रहता।पावर स्टेशन का फोन ज्यादातर बंद ही रहता है।जबकि विद्युत विभाग रामगढ़ के कनीय अभियंता रामगढ़ की बजाय बासुकीनाथ में ही रहते हैं।सामान्यतः सावन के महीने में विद्युत की अबाधित आपूर्ति होती थी।किंतु,इस वर्ष सावन के महीने में भी घंटों बिजली का गायब रहना आम बात है।शुक्रवार को भी सुबह से बिजली की आंख मिचौली जारी थी।आधे घंटे की आपूर्ति के बाद अगले एक से डेढ़ घंटे की लोड शेडिंग हो रही थी।लेकिन दोपहर बारह बजे से विद्युत आपूर्ति पूरी तरह से बंद थी।समाचार भेजे जाने तक विद्युत आपूर्ति बहाल नहीं हुई थी।कनीय अभियंता एस एन भोक्ता ने शाम के लगभग पौने सात बजे बताया कि सरैयाहाट वाले मेन लाइन में फॉल्ट के कारण रामगढ़ की विद्युत आपूर्ति भी बाधित है।देर रात तक आपूर्ति सामान्य होने की संभावना है।

सड़क किनारे की मिट्टी धंसने से पलटा केमिकल भरा टैंकर,गिर रहे केमिकल को लूटने लगे ग्रामीण

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। हंसडीहा थाना क्षेत्र के कुरमाहाट बाजार से लकड़बांक जाने वाले मार्ग पर महेशखंदा गांव के समीप आज शुक्रवार को एक केमिकल भरा टैंकर पलट गया। टैंकर पलटने की सूचना पर

आसपास के लोग जुटने लगे और टैंकर से गिर रहे केमिकल को डब्बों में भरकर ले जाने लगे। घटना की सूचना मिलने पर हंसडीहा थाना के सहायक अवर निरीक्षक राजेश पासवान ने घटना स्थल पर पहुँचकर टैंकर को अपने कब्जे में ले लिया।जिससे टैंकर में बांकी बचा केमिकल लूटने से बच गया। मिली जानकारी के अनुसार केमिकल से भरा टैंकर दुमका के रास्ते हंसडीहा की और आ रहा था,इसी बीच हंसडीहा थाना क्षेत्र लकड़ाताड़ गांव के समीप सड़क पर बने ब्रेकर के पास टैंकर चालक ने ब्रेक लगाया,उसी दौरान टैंकर के पीछे से आ रहा वाहन टैंकर से टकरा गया। जिसके बाद क्षतिग्रस्त वाहन का चालक टैंकर को ओवरटेक करने लगा ।यह देख टैंकर का चालक घटना स्थल से टैंकर को निकलकर लकड़बांक मार्ग में टैंकर को ले जाने लगा,जहां सड़क किनारे की मिट्टी धंसने के कारण टैंकर पलट गया।हालांकि हादसे में टैंकर चालक बाल बाल बच गया।

35997 श्रद्धालुओं ने किया बाबा फौजदारी नाथ पर जलार्पण

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। राजकीय श्रावणी मेला महोत्सव-2023 के 11 वें दिन 35997 श्रद्धालुओं ने बाबा फौजदारी नाथ पर जलार्पण किया।शीघ्र दर्शनम से 1997 श्रद्धालुओं ने जलार्पण किया है।शीघ्र दर्शनम से 5,99,100 रुपये,दान पेटी से 1,20,300 गोलक से 24340, अन्य स्त्रोत से 14685 रुपये प्राप्त हुए।चांदी का सिक्का 10 ग्राम 1 पीस तथा 5 ग्राम 9 पीस बिका।

नई सेल्टोस रोल-आउट के साथ किआ ने मनाया 10 लाख 'मेक इन इंडिया' प्रोडक्शन यूनिट का जश्न

जमशेदपुर। किआ इंडिया ने हाल ही में लॉन्च की गई नई सेल्टोस की पहली यूनिट को आज अनंतपुर स्थित अत्याधुनिक निर्माण इकाई से रोलआउट किया है। इसी के साथ ही कंपनी ने इस निर्माण इकाई से 10 लाख वाहनों को डिस्पैच करने की एतिहासिक उपलब्धि भी हासिल कर ली है। साथ ही इस यूनिट से नई सेल्टोस जैसी भारत की सबसे विकसित, सुरक्षित और स्मार्ट एसयूवी के उत्पादन की भी शुरुआत हो गई है। नई सेल्टोस नए जमाने की डिजाइन और 32 सेफ्टी फीचर्स के साथ आती है। इनमें 17 फीचर्स के साथ सबसे एडवांस लेवल 2 एडीएएस और बहुप्रतीक्षित पैनोरमिक सनरूफ शामिल हैं। नई सेल्टोस 14 जुलाई से देशभर में प्री-बुकिंग के लिए उपलब्ध है।

किआ की 10 लाखवीं कार को पेश करते हुए, किआ इंडिया के प्रबंध निदेशक और सीईओ, ताए-जिन पार्क ने कहा, 'यह हमारे लिए, हमारे कर्मचारियों के लिए और हमारे भागीदारों के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है, जिन्होंने हमारे इस सफर को जीया है और किआ को बनाने में हमारी मदद की है। आज किआ भारतीय उपभोक्ताओं के जीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है। नई सेल्टोस हमारे लिए एक नए अध्याय की शुरुआत का प्रतीक है। इस नए प्रोडक्ट के साथ हम भारतीय बाजार में ऑटोमोटिव उत्कृष्टता की ओर आगे बढ़ रहे हैं। हम इनोवेशन को आगे बढ़ाने, अपना विस्तार करने और भारत में मोबिलिटी के भविष्य को आकार देने के लिए पूरी तरह से समर्पित रहेंगे।

राजकीय श्रावणी मेला, 2023 के दौरान स्वच्छता व स्वास्थ्य पर विशेष रूप से ध्यानः उपायुक्त....

श्रद्धालुओं हेतु मेला क्षेत्र में प्रयाप्त संख्या स्थाई, अस्थाई शौचालय एवं बायोटॉइलट की सुविधा के इंतजामः- उपायुक्त..

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

देवघर। राजकीय श्रावणी मेला, 2023 के दौरान स्वच्छ व स्वस्थ मेला बनाने के उद्देश्य से उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजुनाथ भजंत्री के निर्देशानुसार पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल के द्वारा मेला क्षेत्र अन्तर्गत कॉवरिया पथ दुम्मा से खिजुरिया देवघर से दुम्मा तक रूट लाईन में एवं कौठिया बस स्टैण्ड में काँवरिया बंधुओं की सुविधा हेतु स्थाई एवं अस्थाई शौचालय की व्यवस्था की गयी है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार से असुविधा न हो। इसके अलावे कोठिया बस स्टैण्ड, परित्राण बस स्टैण्ड, दुम्मा बॉर्डर प्लाट नं0-01, प्लाट नं0-02, प्लाट नं0-03, प्लाट नं0-04, प्लाट नं0-05 में पुरूष कांवरियां एवं महिला कांवरियां हेतु कुल 05 शौचालय बनाये गये है। सोमनाथ भवन के नजदीक में पुरूष कांवरियां एवं महिला कांवरियां हेतु शौचालय बनाये गये है। प्लाट नं0-06 एवं प्लाट नं0-07, प्लाट नं0-08, प्लाट नं0-09, प्लाट नं0-10, प्लाट नं0-11, प्लाट नं0-12, प्लाट नं0-13, प्लाट नं0-14, प्लाट नं0-15, प्लाट नं0-16 में पुरूष कांवरियां एवं महिला कांवरियां हेतु अलग-अलग शौचालय बनाये गये है। घोरमारा मध्य विद्यालय में पुरूष एवं महिला कांवरियां हेतु शौचालय बनाये गये है। इसके अलावे कुमैठा, कोठिया बस स्टैण्ड, बाघमारा बस स्टैण्ड, चरकी पहाड़ी, रिखिया में पुरूष कांवरियां एवं महिला कांवरियां हेतु स्थाई व अस्थाई शौचालय की व्यवस्था की गयी है। इसके अलावे नगर निगम द्वारा मेला क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न शौचालय का निर्माण कराया गया है, जिनमे जसीडीह थाना, डाबर ग्राम पुलिस लाईन, नरेन्द्र देव भवन, डाबर इंडिया, महिला थाना, आर एल सराफ ग्राउंड, आर एल सराफ स्कूल, आर मित्रा स्कूल, बीएन झा, थारी मिडिल स्कूल, हथघर मैदान, मातृ मंदिर, नंदन पहाड़ चौक, नंदन पहाड़ रिंग रोड, शिल्प ग्राम, हिंदी विद्यापीठ, बाघमारा बस स्टैंड, पाठक धर्मशाला, प्रसाद योजना, क्यू कॉम्पेक्स, संस्कृति विद्यालय, मदरसा स्कूल, देवघर कॉलेज, बीएड कॉलेज, नेहरू पार्क, संत मेरी स्कूल, बीएन झा, मातृ मन्दिर स्कूल, शिव लोक, बाघमारा बस स्टैंड के अलावा रोहणी नोका बांध, कालीपुर, हिरना, पूरणदाहा, शिशु निकेतन, हरालकुण्ड, जठर बाबा, पोस्टमार्टम हाउस, हदहदया पूल (चिल्ड्रेन पार्क), भूर भूरा मोड़, चतीसी, गांधी नगर, पुनसिया स्कूल, बंधा , जून पोखर, बरियार बांधी, धनगोर, चितोलोधिया, कुंडा स्कूल, टेकर स्टेण्ड, प्राइवेट बस स्टैंड, जसीडीह हटिया, कोर्ट कैंपस, टॉवर चौक , सरकारी बस स्टैंड, शिव गंगा नॉर्थ, टी बी हॉस्पिटल, मीना बाजार, कुष्ट आश्रम, फवारा चौक, प्राइवेट बस स्टैंड स्थाई एवं अस्थाई शौचालय का निर्माण कराया गया है।

झारखंड में धर्मांतरण, जिहाद, गो तस्करी और घुसपैठ से आंतरिक सुरक्षा पर लगा प्रश्नचिन्ह: विनोद बंसल

रांची। विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने कहा कि झारखंड में धर्मांतरण, जिहाद, गो तस्करी और घुसपैठ के कारण आंतरिक सुरक्षा पर प्रश्नचिन्ह लग रहे हैं। उन्होंने कहा झारखंड के विधानसभा में नमाज पढ़ने की कमरा खोली जाती है। गो तस्करों के लिए सरकार की ओर से वक्तव्य प्रस्तुत की जाती है कि गो तस्करों को पुलिस कार्रवाई नहीं करेगी जबकि सर्वविदित है झारखंड में 2005 में गोवंश पशु हत्या प्रतिषेध अधिनियम बना हुआ है, जिसके अंतर्गत गाय, बैल इत्यादि गोवंश पशु को राज्य के बाहर ले जाना प्रतिबंधित है। गो तस्करों के लिए सजा का प्रावधान है।

बंसल शुक्रवार को रांची के विश्व हिंदू परिषद स्पीड प्रांत कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे।उन्होंने कहा कि धर्मांतरण के लिए खुले चंगाई सभा चलते हैं लेकिन प्रशासन के अकर्मण्यता के कारण उन पर कोई कार्रवाई नहीं होती है। आज लगभग पांच लाख से ऊपर बांग्लादेशी एवं रोहिंग्या घुसपैठिए झारखंड के संथाल परगना में पैर जमा चुके हैं। उन्हें सरकार की ओर से आधार कार्ड निर्गत कराई जा रही है। मतदान सूची में नाम डाले जा रहे हैं। प्रश्न उठता है, क्या सरकार तुष्टीकरण के कारण इतने नीचे गिर जाएगी, जहां से झारखंड प्रांत की आंतरिक सुरक्षा खतरे में पड़ जाए।

उन्होंने कहा कि झारखंड की बेटे-बेटियां असुरक्षित होते जा रहे हैं। ईसाई मिशनरियों की ओर से धनबाद में चलाए जा रहे सेंट जेवियर स्कूल में जब उषा कुमारी बिंदी लगाकर स्कूल जाती है, वहां के शिक्षक के द्वारा थप्पड़ मारी जाती है, बेइज्जत की जाती है तथा स्कूल से निकाल भी दिया जाता है, जिससे आहत होकर वह

खुदकुशी कर लेती है। दूसरी ओर अब तक सरकार चुप्पी साधे बैठी है जबकि विद्यालय की मान्यता रद्द हो जानी चाहिए थी।

बंसल ने कहा कि रांची में भी 13 जुलाई को सेवंथ डे एड्वेंटिस्ट इंग्लिश स्कूल में भी तिलक लगाकर स्कूल गए आर्यन मांझी को उसके माथे से चंदन को मिटवाया गया। उसे प्रताड़ित किया गया। कहा गया कि चंदन लगाने से माथा गंदा लगता है। घटना का विरोध होने पर प्रधानाचार्य ने मामला को समाप्त करने का प्रयास किया जबकि वहां का नन या पादरी ईसाइयों के कोड के बने वस्त्र का धारण करता है, क्रूस लगाते हैं। विद्यालय की प्रार्थना में किसी विशेष वर्ग का आराधना कराया जाता है। फिर भी विद्यालय को सरकार मान्यता देकर आर्थिक मदद करती है।

उन्होंने कहा कि जमशेदपुर के मानगो आजाद नगर स्थित सिंबोसिस पब्लिक स्कूल में एक हिंदू छात्रा को प्रतिबंधित मांस खिला दिया जाता है। विद्यालय बिना कार्रवाई के अभी भी चल रहा है। इसी तरह टुंडी धनबाद के ग्राम रक्षा दल के प्रखंड अध्यक्ष शंकर चंद्र डे की हत्या दुम्मा गांव में गोली मारकर कर दी गई। यह हत्या गो तस्करों एवं साइबर अपराधियों के द्वारा की गई है लेकिन अभी तक अपराधी पुलिस की पकड़ से दूर हैं।

बंसल ने कहा कि 13 जुलाई को पलामू के पाटन थाना क्षेत्र के कुड़वा मोड़ में 45 गोवंश पशु को ले जाते दो तस्करों को भी पकड़ा गया जो साबित करता है झारखंड में प्रतिदिन हजारों की संख्या में चतरा, धनबाद, हजारीबाग, पाकुड़ दुमका, साहिबगंज होते हुए बांग्लादेश पशु तस्करी हो रहा है। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार तुष्टीकरण की नीति बंद करे। झारखंड में पशुतस्करी, धर्मांतरण, जिहाद, घुसपैठ बंद करे अन्यथा बाध्य होकर विश्व हिंदू परिषद-बजरंग दल सड़क पर उतरेगी।

पत्रकार वार्ता में विश्व हिंदू परिषद के प्रांत मंत्री डॉ वीरेंद्र साहू, प्रचार प्रसार प्रांत प्रमुख संजय कुमार, प्रचार प्रसार प्रांत सह प्रमुख प्रकाश रंजन सहित कई अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

मेगा रोजगार मेले में पलामू के 1300 युवाओं को मिली नौकरी, मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने दिए नियुक्ति पत्र

पलामू। झारखंड सरकार बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार से जोड़ने के लिए राज्य के सभी जिलों में सरकारी एवं गैर सरकारी विभागों में लगातार नियुक्तियां कर रही है। जो लोग रोजगार से जुड़ना चाहते हैं उनके लिए सरकार के दरवाजे खुले हुए हैं। यह बात श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग के मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने कही। वे शुक्रवार को टाउन हॉल में बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए आयोजित मेगा रोजगार मेला में बोल रहे थे।

कार्यक्रम का उद्घाटन मंत्री सत्यानंद भोक्ता, पलामू उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे, उप विकास आयुक्त रवि आनंद सहित अन्य लोगों ने दीप जलाकर किया। रोजगार मेले में जिले के विभिन्न प्रखंडों से 4000 से अधिक युवक-युवाओं ने भाग लिया, जिसमें 1600 युवाओं को शॉर्टलिस्ट किया गया तथा 1300 युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किये गये।

मंत्री ने कहा कि कौशल विकास विभाग द्वारा बिरसा योजना के तहत 15 जुलाई को 80 प्रखंडों में कौशल विकास सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं। इसका उद्घाटन मुख्यमंत्री करेंगे। उपायुक्त ने कहा कि कौशल प्रशिक्षण केंद्रों को बढ़ाने की पहल होगी, ताकि अधिसंख्य युवाओं को प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़ा जा सके। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके युवाओं को राज्य में ही रोजगार से जोड़ने की वकालत की।

जिला कौशल पदाधिकारी एतवारी महतो ने बताया कि कौशल विकास मिशन सोसाइटी के तहत 10 कौशल प्रशिक्षण केंद्र संचालित हैं।

इनमें तीन दीन दयाल उपाध्याय कौशल केंद्र हैं जबकि सात सक्षम झारखंड कौशल विकास केंद्र संचालित हैं। बिरसा योजना से संचालित दो केंद्र पांकी एवं छतरपुर केंद्र का उद्घाटन मुख्यमंत्री के हाथों होना है।

प्राथमिक, माध्यमिक और प्लस-टू विद्यालयों में शिक्षकों के खाली पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया तेज करें: मुख्यमंत्री

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य के बच्चों को बेहतर और गुणवत्ता युक्त शिक्षा देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। इस सिलसिले में सरकारी विद्यालयों की मजबूत किया जा रहा है । विद्यालयों में आधारभूत संरचना और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ पठन-पाठन की नवीनतम एवं आधुनिक तकनीक से संबंधित संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं ।

सोरेन शुक्रवार को स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की ओर से संचालित योजनाओं की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक करते हुए बोल रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कई निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि प्राथमिक, माध्यमिक और प्लस-टू विद्यालयों में शिक्षकों के खाली पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया तेज करें, ताकि विद्यालयों का संचालन बेहतर तरीके से हो। विभाग के सचिव के रवि कुमार ने मुख्यमंत्री को बताया कि प्लस-टू विद्यालयों में प्रधानाचार्य, शिक्षक और प्रयोगशाला सहायक के पदों पर नियुक्ति के लिए जेएसएससी ने अधियाचना जारी कर दी गई है। माध्यमिक विद्यालयों, मॉडल स्कूलों और अन्य श्रेणियों के विद्यालयों के लिए भी शिक्षक एवं प्रयोगशाला सहायक के पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया चल रही है। सहायक आचार्य के 26 हजार पदों पर बहाली की प्रक्रिया भी जल्द शुरू हो जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों के ओवरऑल डेवलपमेंट के लिए विद्यालयों में पठन-पाठन के अलावा खेल- संगीत जैसी एक्टिविटीज निरंतर चलनी चाहिए। बच्चों के बीच तरह - तरह की प्रतियोगिताएं हों, ताकि वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ने का बेहतर माहौल मिले, इसके लिए जिलों में रीडिंग रूम की व्यवस्था सुनिश्चित करें। यहां सभी मूलभूत सुविधाओं के साथ वाईफाई की भी व्यवस्था होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यार्थियों को पठन-पाठन से संबंधित सामग्री और यूनिफॉर्म सत्र शुरू होने के समय ही उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। राज्य में सभी सरकारी विद्यालयों का फिजिकल मैपिंग कराएं। जो भी विद्यालय भवन जर्जर हों, उसकी मरम्मत कराई जाए और इसमें गुणवत्ता का पूरा ख्याल रखा जाए। इसके साथ हर तीन वर्ष पर विद्यालयों का मेंटेनेंस होना चाहिए। सरकार ने जिस मकसद से स्कूल ऑफ एक्सीलेंस और मॉडल स्कूल खोले हैं, उसका सार्थक परिणाम सामने आना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि समय-समय पर इन विद्यालयों का निरीक्षण कर यहां की व्यवस्थाओं का जायजा लें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए एक अलग आवासीय विद्यालय बनाने की कार्य योजना बनाएं। यहां बच्चों के पठन-पाठन के साथ-साथ खेल, संगीत, फिजिकल एजुकेशन देने आदि की भी व्यवस्था होनी चाहिए ताकि दिव्यांग बच्चे-बच्चियों की जो प्रतिभा है से निखार कर सामने लाया जा सके। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे सरकारी विद्यालयों के परिसर में पौधा लगाने का भी कार्य करें। इसके लिए वन विभाग को भी अपने साथ जोड़ें। इससे विद्यालयों में हरियाली बनी रहेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नेतरहाट आवासीय विद्यालय के बच्चे जिस तरह पढ़ाई के साथ कृषि और बागवानी करते हैं, उसी तरह कुछ सरकारी विद्यालयों को भी चयनित कर यहां के विद्यार्थियों के लिए भी ऐसी ही व्यवस्था शुरू करें ताकि उनका स्किल डेवलपमेंट हो सके। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, हजारीबाग राज्य के सबसे उत्कृष्ट विद्यालयों में एक है। यहां का बोर्ड का परिणाम शुरू से शानदार रहा है। विद्यालय की बच्चियां हर वर्ष मैट्रिक बोर्ड की मेधा सूची में अपना नाम दर्ज कराती रही हैं लेकिन वर्तमान में यहां की पढ़ाई की गुणवत्ता कुछ वजह से प्रभावित होने की बात सामने आई है।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे इस विद्यालय में जाकर पूरी व्यवस्था का आकलन करें और जो भी खामियां हो उसे दूर करें, ताकि इस विद्यालय की उत्कृष्टता हमेशा की तरह बरकरार रहे।

अदालत के दो फैसलों से झारखंड की पुलिस पर उठे रहे सवाल, क्या राज्य सरकार करेगी कार्रवाई?

पिछले पांच दिनों के अंदर कोर्ट की तरफ से दो फैसले ऐसे आए हैं, जिसने झारखंड की पुलिस पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पहला फैसला बीते सोमवार को सुप्रीम कोर्ट से आया, तो दूसरा शुक्रवार को झारखंड हाईकोर्ट से आया। दोनों फैसले एक जैसे ही हैं, जिसमें कोर्ट ने सीसीए के तहत जेल में बंद ईडी के दो गवाहों को तत्काल जेल से रिहा करने को कहा है।

कोर्ट ने तत्काल छोड़ने का दिया आदेश

सुप्रीम कोर्ट ने 10 जुलाई को अपने फैसले में कहा कि एक हजार करोड़ के अवैध खनन घोटाले से संबंधित जेल में बंद ईडी के गवाह जयप्रकाश यादव उर्फ मुगेंरी यादव को उसी दिन शाम पांच बजे तक रिहा किया जाए। फैसला आने के बाद आनन फानन में झारखंड सरकार को उन्हें उसी शाम रिहा करना पड़ा। अब दूसरा फैसला शुक्रवार यानी 14 जुलाई को झारखंड हाईकोर्ट से आया है। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि जेल में बंद ईडी के गवाह अशोक यादव को तत्काल रिहा किया जाए। यहां जानना जरूरी है कि दोनों ही मामलों में ईडी के गवाहों पर राज्य सरकार की ओर से सीसीए लगाया गया था। जिसे अदालतों की तरफ से तत्काल हटाने का आदेश दिया गया है। साथ ही दोनों पर अवैध हथियार रखने का भी आरोप लगा था। ये दोनों फैसले राज्य सरकार की पुलिसिंग पर सवाल उठा रहे हैं। चर्चा यह हो रही है कि दोनों मामलों में पुलिस की तरफ से एकतरफा कार्रवाई की गयी है।

सीसीए लगाना गलत, तो क्या सरकार करेगी कार्रवाई

दोनों ही मामला साहेबगंज जिले से जुड़ी है। साहेबगंज के 1000 करोड़ के अवैध खनन की जांच ईडी कर रहा है। आए दिन गिरफ्तारी का दौर जारी है। दोनों गिरफ्तारी साहेबगंज पुलिस की तरफ से की गयी। बाद में दोनों ही मामले में साहेबगंज डीसी और एसपी की तरफ से आरोपियों पर सीसीए लगाने के लिए गृह विभाग को अनुशंसा भेजी गयी। डीसी और एसपी की अनुशंसा पर गृह विभाग का ठप्पा लगा दिया। ऐसे में अब बात यह हो रही है कि अगर अदालत की तरफ से सीसीए लगाना गलत बताया गया है, तो क्या सीसीए लगाने वालों पर सरकार की तरफ से कार्रवाई की जाएगी। क्या डीसी और एसपी से पूछा जाएगा कि सीसीए क्यों लगाया गया। क्या गृह विभाग में पदस्थतत्कालीन सचिव से सवाल-जवाब होगा। अगर ऐसा कुछ नहीं होता है कि यह पब्लिक में साफ तौर से यह संदेश जाएगा कि गलत तरीके से सीसीए लगाने वालों को सरकार का संरक्षण प्राप्त है। कहीं ईडी बनाम सरकार का मामला तो नहींईडी के जिन दोनों ही गवाहों पर सीसीए को गलत तरीके से लगाने की बात कही गई है

आईएचएम राँची में 'कॉफी विद जीएम' कार्यक्रम का आयोजन

राँची

इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट राँची में 'कॉफी विद जीएमएस' कार्यक्रम का आयोजन श्री हेमंत मेहता, महाप्रबंधक, होटल रेडिसन ब्लू, राँची, श्री अमित कौशिक, महाप्रबंधक, होटल रॉयल रिट्रीट, श्री आसीत कुंडू, महाप्रबंधक, कैपिटल रेजीडेंसी, श्री कलोल सेनगुप्ता, महाप्रबंधक, होटल ग्रीन होरिजन, श्री ब्रजेश गुप्ता, महाप्रबंधक, होटल ले लेक की उपस्थिति में की गई। आयोजित इस कार्यक्रम में छात्रों के व्यक्तित्व उत्थान, खुद को प्रस्तुत करने के लिए आत्मविश्वास, उद्योग के बदलते प्रवृत्तियां और सर्वोत्तम प्रथाओं से कैसे खुद को अपडेट रखने, निरंतर कड़ी मेहनत एवम लगन से खुद को विकसित करने, कुशल प्रबंधन शैलियाँ, अपने प्रबंधन सहयोगियों के साथ संघर्ष और असहमति को कैसे नियंत्रित कर सकते हैं, अपनी भूमिका में बजट और वित्तीय प्रबंधन कैसे संभालते है जिससे संस्था को ऊंचाई तक पहुंचाया जा सके, अपनी टीम में निरंतर सुधार और व्यावसायिक विकास कैसे करते हैं, कैसे अपने अतिथियों के समस्याओं को शांतिपूर्वक सुलझा सकते हैं, होटल उद्योग में औसतन 12 वर्ष निरंतर कार्य करते रहने से महाप्रबंधक बनने तक के सफर के साथ साथ श्रेष्ठ करियर बनाने जैसे प्रबंधन संबंधित विषयों पर चर्चा की गई। साथ हीं छात्रों द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रकार के होटल उद्योग एवं कुशल कार्यशैलियों संबंधित प्रश्नों का संतोषजनक उत्तर भी दिया गया।

इस दौरान संस्थान के प्राचार्य, सभी शिक्षक एवं छात्र उपस्थित रहें। कार्यक्रम का समापन संस्थान के प्राचार्य डॉ. भूपेश कुमार द्वारा सभी महाप्रबंधकों का इस कार्यक्रम को सफल बनाने में धन्यवाद के साथ हुआ तथा छात्रों को खुद के अंदर जुनून, आत्मविश्वास रखने के साथ साथ निरंतर कड़ी मेहनत से अपने लक्ष्य को प्राप्त करने का निर्देश भी दिया।

मुख्यमंत्री से एचडीएफसी बैंक के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से शुक्रवार को झारखंड मंत्रालय में एचडीएफसी बैंक रांची के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने एचडीएफसी बैंक की ओर से ग्रामीण क्षेत्र के विकास में सीएसआर के तहत किए जा रहे कार्यों से मुख्यमंत्री को अवगत कराया।

मुख्यमंत्री के समक्ष प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि एचडीएफसी बैंक सीएसआर के तहत राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, पेयजल, कृषि आदि क्षेत्र के विकास में अपनी भूमिका निभा रही है। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल से कहा कि राज्य सरकार की ओर से संचालित मॉडल स्कूलों के बेहतर संचालन के लिए एचडीएफसी बैंक सीएसआर के तहत सहयोग करे। इन स्कूलों में आधुनिक सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने में भी संस्थान योगदान

करे। मुख्यमंत्री ने कहा कि एचडीएफसी बैंक राज्य में पशुपालकों को नुकसान से राहत देने निमित्त पशु बीमा पर बेहतर कार्य योजना बनाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि संस्थान स्थानीय लोगों को रोजगार से जोड़ने तथा ऋण मुहैया कराना भी सुनिश्चित करें।

इस अवसर पर एचडीएफसी बैंक के ब्रांच बैंकिंग हेड (ईस्ट) संदीप कुमार, सर्कल हेड झारखंड कुमार अभिषेक, क्लस्टर हेड रांची धर्मेंद्र कुमार, स्टेट हेड गवर्नमेंट बिजनेस संतोष सिंह एवं शाखा प्रबंधक सुदीप्त भट्टाचार्य उपस्थित थे।

नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत अंतरिक्ष महाशक्ति बनने की राह पर: बाबूलाल मरांडी

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने शुक्रवार को श्रीहरिकोटा से भारत के चंद्रयान के सफल प्रक्षेपण पर देश के वैज्ञानिकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।मरांडी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत का तिरंगा चांद पर भी फहराएगा। उन्होंने कहा कि भारत अंतरिक्ष में भी महाशक्ति बनने की राह पर अग्रसर है। साथ ही कहा कि आज झारखंड की धरती भी गौरवान्वित हुई है। चंद्रयान प्रक्षेपण टीम में शामिल खूंटी जिला के तोरपा निवासी युवक सोहन यादव ने राज्य का मान बढ़ाया है। साथ ही लॉन्चिंग यंत्र का निर्माण भी रांची के एचईसी में हुआ।मरांडी ने सोहन यादव को भी शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि झारखंड के युवाओं में योग्यता और लगन की कमी नहीं। उन्हें सिर्फ अवसर उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि फ्रांस सरकार की ओर से प्रधानमंत्री को मिले सर्वोच्च सम्मान लिजन ऑफ ऑनर पर बधाई और शुभकामनाएं दी। साथ ही कहा कि यह देश के 125 करोड़ देशवासियों का सम्मान है।

रांची में अकाउंटेंट संजय हत्याकांड में तीन आरोपित गिरफ्तार

रांची। सुखदेवनगर थाना पुलिस ने जमीन कारोबारी कमल भूषण के अकाउंटेंट संजय कुमार सिंह की हत्या के मामले में दो शूटरों सहित तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। संजय हत्याकांड में रांची के एक पूर्व दागी जमीन कारोबारी को भी गिरफ्तार किया गया है।

बताया जा रहा है कि अकाउंटेंट संजय सिंह की हत्या की साजिश भी रांची के बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार के अंदर से रची गई थी। बिल्डर कमल भूषण के हत्याकांड के मुख्य आरोपित राहुल कुजूर और डब्लू कुजूर ने ही भाड़े के हत्यारों से संजय सिंह की हत्या करवाई थी। संजय सिंह की हत्या करने के लिए दोनों शूटरों को 50

हजार रुपये एडवांस के तौर पर दिए गए थे।

उल्लेखनीय है कि बीते सात जुलाई को संजय सिंह रांची के सुखदेव नगर थाना क्षेत्र स्थित अपने कार्यालय से घर लौट रहे थे। इसी दौरान अपराधियों ने काली मंदिर रोड में संजय की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

रांची में धारदार हथियार से मारकर युवक की हत्या, आरोपित गिरफ्तार

रांची। मांडर थाना क्षेत्र में एक युवक बबलू मुंडा उर्फ कृष्णा मुंडा की हत्या में शामिल आरोपित को पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया है। युवक की धारदार हथियार से मार कर हत्या कर दी गयी थी। वह चान्हो थाना क्षेत्र का रहने वाला था।

थाना प्रभारी विनय यादव ने बताया कि मांडर के सोसई आश्रम के समीप बबलू मुंडा उर्फ कृष्णा कुछ दिनों से फूफा सूरज मुंडा के घर पर रह रहा था। उसका फूफा उसे वहां से अपने घर जाने के लिए कह रहा था लेकिन बबलू वहां से नहीं जा रहा था। वह वहीं पर घर बनाकर रहने की फिराक में था। इसी विवाद में उसके फूफा ने

धारदार हथियार से मारकर उसकी हत्या कर दी।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपित फूफा को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या में प्रयुक्त धारदार हथियार भी बरामद कर लिया गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और जांच-पड़ताल कर रही है।

राजस्थान से आई लड़कियों का झुंड शिक्षा के नाम पर घरों में जाकर कर रहीं है वसूली

जमशेदपुर। कदमा क्षेत्र में कुछ दिनों से लगातार शास्त्री नगर ओलियन अनिल सूरपथ मोहल्ले में लड़कियों का काफी संख्या में झुंड अपने शिक्षा के नाम पर चंदा कर रही हैं। इसी दौरान शास्त्री नगर के तीन नंबर मैं लक्ष्मी नारायण तिवारी जो कि समाजसेवी एवं शांति समिति कदमा थाना के सदस्य भी हैं। राष्ट्रीय परशुराम परिषद में प्रदेश उपाध्यक्ष भी हैं। उनके घर के गेट को बिना आवाज दिए अंदर प्रवेश कर गई और पैसे की मांग करने लगी। तिवारी ने कहा कि बिना आवाज दिए अंदर तुम लोग क्यों घुस गई। चलो निकलो उन्हें देखते ही तिवारी को उन पर संदेह हुआ तो उन्होंने शक्ति से पूछा कि तुम लोग कहां से आई हो और इस तरह जबरदस्ती सभी को परेशान कर रही हो। उनलोग का कहना था कि हम लोग अपने घर राजस्थान से आए हैं और अपने पढ़ाई के लिए पैसा इकट्ठा कर रहे हैं।

जब उनका फोटो खींचने लगे तो ए लोग भागने लगी। तिवारी ने कदमा थाना को सूचित किया कदमा थाना अपने सक्रियता दिखाते हुए कि कोई अनहोनी ना हो जाए तुरंत 4 नंबर पेट्रोलिंग गाड़ी पहुंची और उन लोगों को उठाकर ले गई। सख्ती से पूछताछ करने के बाद उन्हें वार्निंग देकर छोड़ दिया गया। इस चेतावनी के साथ कि दुबारा अगर तुम लोग यहां दिखाई दी तो तुम लोग को पकड़ कर करवाई किया जाएगा

ऐसा ही वाक्य अनिल सुरपथ मनसा पथ में भी हुआ। काफी संख्या में इन लड़कियों का झुंड पूरे जमशेदपुर में सक्रिय है। आम जनता से अनुरोध है कि कृपया सावधान रहें किसी भी तरह का गिरोह अगर आपके दरवाजे पर आता है तो उसका जांच जरूर करें कुछ भी संदिग्ध दिखता है या पता चलता है तो स्थानीय थाना में फोन कर सूचना दें। इसमें अपनी और प्रशासन का सहयोग करें जागरूक रहें और सुरक्षित रहे।

The Santal Hul of 1855-1856 and the Use of Poisoned Arrows

Dr.Dinesh Narayan Verma,Historian

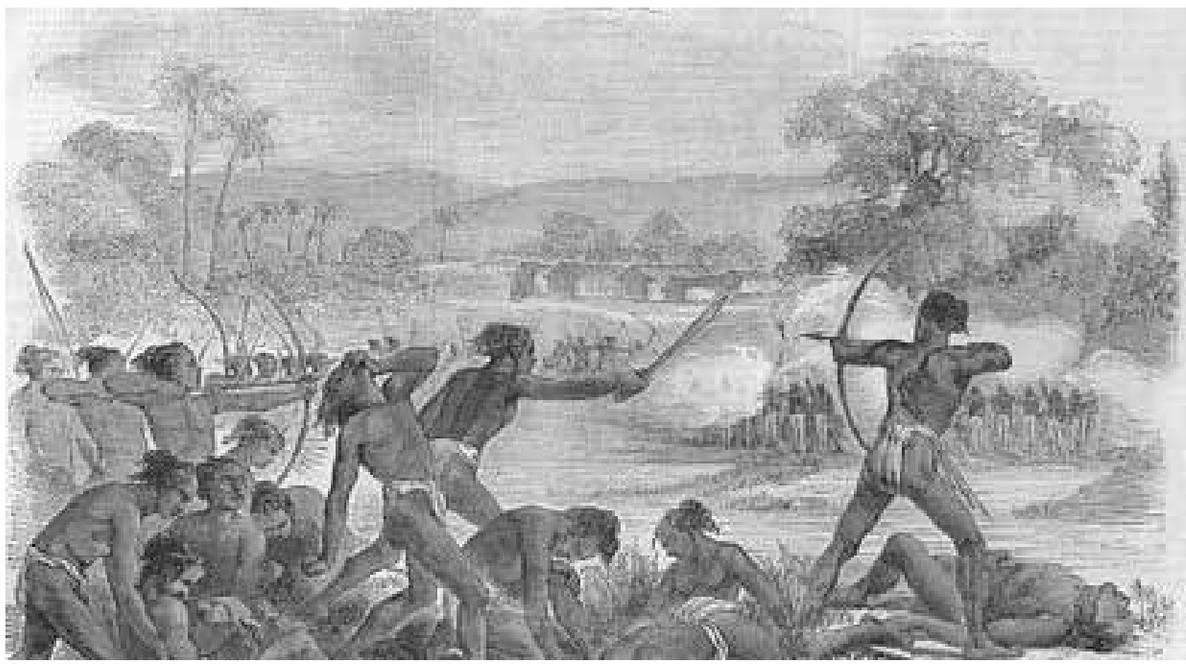

Dr. Verma is better known for his research based studies on the Santal Hul of 1855-1856 as he has written not only many books on different approaches to but also dozens of research articles on the Hul. Even after his retirement , he is active in the field of research especially on the Santal Hul of 1855-1856 and Tribal History and Culture. In his studies on the Hul, Dr, Verma has described the Hul ,not insurrection/rebellion/uprising but on the basis authentic and historical archival documents as The Hul for Self Rule i.e. the First People's Movement(tribals,backwards and dalits) for self rule in the nineteenth century India. Dr. Verma is active as " Itihas Sankalan Samiti Bihar-Janjatiy Itihas Lekhan Prakoshth Pramukh and presented research papers in seminars sponsored by ICHR and UGC etc. In present article historian Verma made it apparent that the poisoned arrows were not used by the Santals against the army ,its officers and soldiers of the Company that displayed the Santals' love for human qualities and values. Editor -Dr. Sikander Kumar

Jharkhand Dekho Desk: Everything/all is fair in love and war It is commonly called maxim that "everything/all is fair in love and war." But there are instances when people honestly remained fair in war against their most powerful army, its officers and soldiers who were armed with modern and sophisticated weapons while they had only had their traditional weapons of axes, bows and arrows etc. It may be a fairy tale now-a-days to the most of the people but historically it is an authentic aspect that took place during the course of the Santal Hul of 1855-1856.Before discussing in detail of the little known said historical aspect of the Hul, it is expedient to know the origin, meaning and its subsequent effects of the common maxim known to and prevalent among one and all Origin and Meaning of the Idiom

The idiom is generally used to describe a situation in which people do not follow the usual rules of behavior and intentionally do things that are normally considered unfair. The idiom was first used in 1579 in "Eupheus: The Anatomy of Wit", a text written by John Lyly (1553/1554--1606) although it was worded slightly different yet had the same meaning. It is the earliest known origin of the idiom. So historically the idiom originated in the said novel by Lyly and when it came out, it gradually became more popular. The poet wrote the idiom that 'the rules of fair play do not apply in love and war."In course of time ,the idiom evolved and became known as "All is fair in love and war."Lily was an English writer, dramatist, courtier and parliamentarian. He is also known for his amazing plays.

The exact wording of "All is fair in love and war " first found in the novel "Frank Fairleigh", about the life of a schoolboy ,authored by an English author Frank Edward Smedley in 1850.The exact word appeared in its original format and retained its meaning in modern language .It means people in love and soldiers in wartime are not bound by any rules of fair play. It meant that we can go to any extent to accomplish our mission and take what we desire without thinking for a second its result and the impounding impact on others. It means whatever we do is worth in order to win, either our love or our battle. Then it also means that there no rules, no codes, no morals because it is all fair in love and war.

But everything is not fair in love and war because we can not appreciate people doing various kinds of shits in love and killing of innocent people in war. Admittedly, everything is not fair in love and war. Moreover, we must realize that the maxim was written in sixteenth century that provoked hate , favoured discrimination and justified getting goals by any means ,fair or foul. After five hundred years ,in twenty first century ,we must follow and abide by rules, codes, morals and ethics to show that we are mentally fit, healthy and careful. The great and militant Santals disdained use of poisoned arrows against their avowed enemies during the Hul of 1855-1856 and proved that all is not fair in love and war. The colonial authors, who had condemned the Santals as barbarous, savage and wild, highly appreciated them and their fighting without poisoned arrows in the Hul of 1855-1856.(Man1867,Hunter1868,O' Malley1910)

Inspiration and Motivation

I read a very good article titled "The Santal Uprising and the Use of Weapons" by a globally acknowleged Social Scientist Professor Dr.Mohan Kant Gautam of Leiden,the Netherlands. (Year Book 1970,Ethnographic Museum,University of Oslo) wherein the scholar author has given a detailed account of weapons in use among the Santals and their performing significance on multiple occasions of socio—religious ceremonies. The noted scholar also focused on the various aspects of the Santal Hul of 1855-1856 with its background ,origin etc. The marvelous writing and wonderful presentation of the historical aspects by the great historian not only highly inspired me but also motivated me to swill much more and times and again the historical and authentic documents of the Santal Hul of 1855-1856 for better understanding of the great historical event. The article is full of notes and rich in references that added to my knowledge of bibliography. The present discussion, therefore, is an outcome of the said reading that I heartily acknowledge wherein an important aspect of the Hul is discussed in historical perspective and concluded after discussion that poisoned arrows were not used by the Santals against the army, its officers and soldiers of the Company.

Tribal Communities and Perceptions of Colonial Authors

In most of their writings, the colonial writers denounced the tribal people and called them savage ,unlettered and wild. The Calcutta Review of 1856 described the Santals as semi-savage, wild inhabitants, wild and savage ,barbarous etc. who had defied the authority of East India Company during the Hul of 1855-1856. (The Calcutta Review ,1856,;the Calcutta Review 1860) William Wilson Hunter(1868) and F.B.Bradley-Birt(1905) the colonial authors also called them wild and uncivilized but appreciated not only their honesty and labour but also the indomitable spirit, courage and chivalry of the Santals. During the Hul of 1855-1856 they fought with the Company's armies with their traditional weapons of "bows,arrows and balwas" (bhala:spear) etc. (Bradley-Birt11905) As they were expert in clearance of forests, they had the knowledge of various kinds of vegetable poisons found in abounding in forests and frequently used by them in hunting and shooting. But they avoided the use of vegetable poisons during the course of the Hul and fought with bows and arrows without use of poisons against the army ,its officers and soldiers of the Company. After personal investigation of the wounded soldiers, it is duly certified by Edward Garnet Man who discussed this great human quality of the Santals in his book "Sonthalia and the Sonthals" published in 1867,twelve years after the Hul.

Poisoned Arrows Not Used by Belligerent Santals

E.G.Man had worked as an Assistant Commissioner of the District of Santal Parganas and in his book he noted a good analytical description of the Santal Hul of 1855-1856.As an author, Man was the first author who represented colonial perception of the Hul and called it rebellion. Man pointed out the primary causes of the Hul and noted that "The causes that gave rise to this rebellion ,with the prior inactivity to give the Sonthals redress, and the stringent measures afterwards taken ,form a dark blot on the pages of British History in India." (Man1867) Many of his remarks have no authentic historical evidence , but he discussed crying evil Kamoitee System and its long term effects .He was the first colonial author to discuss the bright side of the Santals as a tribe and pointed out that "There was a rude kind of chivalry shown by the tribes in this war which deserves to be recorded .Although, as a race, they are wonderfully well imbued with a knowledge of all kinds of vegetable poisons with which their jungles abound, and although for hunting and shooting they ,dip their arrow heads into a compound so poisonous that a full-grown tiger ,even if scratched with the prepared barb, surely dies in half an hour; yet despite all this, they disdained and neglected to take such an advantage when at war with our troops, I have never been able to find an instance of a case in which any of our men or officers were wounded by poisoned arrows, although many received arrows wounds .While in converse with Sonthals ,I have often thought of asking them the question, why they omitted to use the arrows poisoned, but have abstained as I feared to suggest a practice which they might try upon the questioner ,should he be ever offended them."(Man1867). Thus by his personal investigation of the wounded soldiers and officers of the Company's army, the colonial author Man emphatically made it apparent that the militant Santals did not use poisoned arrows against soldiers and officers of the Company's army. The investigating reporting of Man was endorsed by another great colonial author William Wilson Hunter who clearly stated in his book "The Annals of Rural Bengal", published one year later publication of Man's book, that "it is not true that they used poisoned arrows" and pointed out that "They were the most truthful set of men, I ever met ;brave to tuation"(Hunter1868). It is to be noted that in his Report(1909) H.McPherson did not mention use of poisoned arrows by the Santals in their war against foreign regime. And famous Gazetteer Author L.S.S,O'Malley praised the chivalry and human qualities of the Santals and pointed out that "… the Santals showed a certain chivalry in the struggle against the troops. Although it was their custom to use poisoned arrows in shooting and hunting, they did not use them against the soldiers."(O'Malley 1910)

Perhaps C.E.Buckland (1901) was the first colonial author who noted the use of poisoned arrows by the Santals against the Soldiers of the Company and stated that "The insurgents were armed with bows and poisoned arrows ,axes, swords and a few guns only."(Buckland 1901) Thus he overlooked the investigating report of Man(1867) and apparent statement of Hunter (1868) wherein they had denied the use of poisoned arrows by the Santals against the soldiers. Sashi Bhusan Chaudhuri, perhaps was the first Indian scholar who approved the use of poisoned arrows by the Santals and pointed out that "30,000 of them armed with axes and poisoned arrows swarmed up in every direction .."(Chaudhuri1955). Bhusan was endorsed by famous Gazetteer author P.C.Roy Chaudhury who also noted that "The insurgents were armed with bows and poisoned arrows ,axes, swords and a few guns only."(Roy Chaudhury19622). Thus Roy Chaudhury just repeated the words of Buckland (1901) and overlooked investigating report and statement of Man(1867) and Hunter(1868) respectively as it was done by Sashi Bhusan Chaudhuri(1955)also.

Conclusion

Moreover, Robert Carstairs (1912) who had worked as Deputy Commissioner of the Santal Parganas 1885-1898 gave a detailed account of the Santal Parganas in his "Little World of An Indian District Officer"(Macmillan ,1912) but did not mention the use of poisoned arrows by the Santals in the Hul of 1855-1856. (Carstairs1912) Another renowned scholar John Houlton (1949) also did not mention the use of poisoned arrows by the Santals in his account of the Santals and Santal Parganas in his famous book "Bihar The Heart of India"(Orient Longmans Ltd,1949). As there is an authentic historical evidence i.e. the investing report of E.G.Man and its endorsement by Hunter and O'Malley and other renowned scholars , not only the views of Buckland but also the that of the Sashi Bhusan Chaudhuri and P.C.Roy Chaudhury can not be accepted. The Commissioner of Nadia Division A.C.Bidwell who was appointed especial Commissioner for suppression of the Hul submitted his investigating Report(10 Dec.1855) wherein Bidwell wrote in detail on every aspects of the Hul but he also did not mention use of poisoned arrows by the Santlaas against the soldiers and army officers in his Report. It may be concluded that the poisoned arrows were not used by the Santals in the Hul of 1855-1856 against the Army, its officers and soldiers of the Company.

स्थानीय लोगों के शिकायत पर पंचायत प्रतिनिधियों की पहल से बागबेड़ा में दो नाला की सफाई संपन्न हुआ

विधायक संजीव सरदार, जुस्को के कैप्टन धनंजय मिश्रा, अर्बन सर्विस के सीनियर मैनेजर केशव कुमार रंजन, गुरुवारी हेंब्रम का संयुक्त सहयोग रहा

जमशेदपुर।

पोटका विधानसभा क्षेत्र के विधायक संजीव सरदार,जुस्को के हेड कैप्टन धनंजय मिश्रा, अर्बन सर्विस के सीनियर मैनेजर केशव रंजन एवं मैनेजर गुरुवारी हेंब्रम के संयुक्त सहयोग से हरहरगुट्टू एवं बागबेड़ा कॉलोनी के बीच स्थित कृष्णापुरी नाला, एवं हरहरगुट्टू स्थित दादी बागान के समीप तीनों पंचायत को जोड़ने वाला नाला की साफ-सफाई एक जेसीबी और हाईवा से करवाया गया। इसके अलावे मजदूरों से रोड नंबर 4 के क्वार्टर के पीछे गली की भी साफ सफाई कराई गई है। विगत कई वर्षों से इस नाला कि एक बार भी साफ सफाई नहीं की गई थी। जिसके कारण बरसात के मौसम में नाला का पानी मुख्य सड़क पर बहता था। जिसके कारण आवागमन में लोगों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता था। स्थानीय लोगों ने इसकी शिकायत पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता, उप मुखिया संतोष ठाकुर, मुखिया उमा मुंडा, बन्ना गुप्ता फैंस क्लब के अध्यक्ष अनिल सिंह से की थी। पंचायत प्रतिनिधियों ने विधायक संजीव सरदार से आवेदन में अनुशंसा कर जुस्को के हेड कैप्टन धनंजय मिश्रा से मिलकर उनके कार्यालय में आवेदन दी। कैप्टन धनंजय मिश्रा ने अर्बन सर्विस के सीनियर मैनेजर केशव कुमार रंजन को वह पत्र भेज कर साफ़ सफाई करने की बात कही। तत्पश्चात सीनियर मैनेजर केशव कुमार रंजन एवं मैनेजर गुरुवारी हेंब्रम से मिलने के पश्चात आज नाला की साफ-सफाई एवं बागबेड़ा हाउसिंग कॉलोनी के क्वार्टर के पीछे गली में साफ सफाई का कार्य प्रारंभ हुई। इस दौरान पूरे मंत्र उच्चारण के साथ नारियल फोड़कर और अगरबत्ती दिखाकर कार्य का शुभारंभ किया गया। पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता ने कहा कि बरसात के पूर्व बागबेड़ा हाउसिंग कॉलोनी के क्वार्टर के पीछे गली की नाली का साफ सफाई लगातार जारी रहेगी।

इस साफ सफाई अभियान में मुख्य रूप से वार्ड सदस्य प्रतिनिधि राकेश सिंह, राजकुमार सिंह, अरविंद पांडे, समाजसेवी पवन ओझा धनंजय सिंह संदीप सिंह, महेश ठाकुर, रामबाबू, के डी मुंडा, आनंद शर्मा सहित कई स्थानीय लोग उपस्थित थे।

उम्मीद और जमीनी हकीकत

अहम सवाल है कि अगर भारत निवेशकों की पहली पसंद बना हुआ है, तो असल में भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बढ़ क्यों नहीं रहा है? एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2022-23 में एफडीआई में 22 प्रतिशत की गिरावट आई।

यह रिपोर्ट फिर सुर्खियों में है कि निवेश करने के लिए भारत दुनिया की सबसे पहली पसंद बना हुआ है। इन्वेस्को नामक संस्था ने केंद्रीय बैंकों और वेल्थ फंड्स के सर्वे के आधार पर यह रिपोर्ट तैयार की है। और चूंकि इस दौर में भारतीय मीडिया में सकारात्मक खबरों की खूब मांग है, तो उसमें इस रिपोर्ट को खूब जगह भी मिली है। लेकिन अहम सवाल है कि अगर भारत पहली पसंद बना हुआ है, तो असल में भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बढ़ क्यों नहीं रहा है? एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2022-23 में एफडीआई में 22 प्रतिशत की गिरावट आई। जबकि यह वो वर्ष रहा, जब ह चीन से हट रहे निवेशकों के हटने की खबरें लगातार आती रहीं। इस ट्रेंड को चाइना+वन कहा जा रहा है। यानी निवेशक चीन से पूरी तरह नहीं हट रहे हैं, लेकिन वे अपने निवेश का एक हिस्सा किसी अन्य देश में ले जा रहे हैं। अब खबर है कि इस ट्रेंड का सबसे ज्यादा वियतनाम उठा ले गया है।

इस बीच भारत के इलेक्ट्रॉनिक हब बनने का भी खूब शोर है। मगर यह भी अभी उम्मीदों के दायरे में ही है। असलियत यह है कि इलेक्ट्रॉनिक निर्यात की ताजा रैंकिंग में भारत 26वें नंबर पर है। यानी इस मामले में वह चीन, दक्षिण कोरिया और वियतनाम से तो पीछे है ही, मलेशिया, मेक्सिको, थाईलैंड और फिलीपीन्स भी उससे आगे हैं। इसलिए मैनुफैक्चरिंग के लिहाज से उपरोक्त रिपोर्ट को बहुत वजन नहीं देया जा सकता। बहरहाल, ये सर्वे जिन इकाइयों के बीच उनकी प्राथमिकता संभवतः अलग है। यह हकीकत है कि शेयर कारोबार के मामले में भारत एक हॉट स्पॉट बना हुआ है। इन्वेस्को की स्टडी में 57 केंद्रीय बैंकों और 85 सरकारी निवेश फंड शामिल हुए। उनके लिए निवेश का मतलब संभवतः शेयरों में निवेश ही है। सर्वे में शामिल 85 फीसदी इकाइयों ने कहा कि मुद्रास्फीति इस दशक में तो उच्च स्तर पर बनी रहेगी। ऐसे माहौल में सोना और उभरते बाजारों के बॉन्ड निवेश के उचित विकल्प हो सकते हैं। और यही हो भी रहा है। लेकिन इससे आमजन की खुशहाली का रास्ता नहीं निकलता।

यूसीसी की स्थिति अनुच्छेद 370 जैसी

समान नागरिक संहिता का बिल अभी नहीं आया है। अभी विधि आयोग लोगों की राय ले रहा है लेकिन कहा जा रहा है कि संसद के मॉनसून सत्र में बिल पेश हो सकता है। संसद की स्थायी समिति ने इस पर विचार किया है और उत्तराखंड में बनी जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की कमेटी भी जल्दी ही अपनी रिपोर्ट सरकार को देने वाली है। बताया जा रहा है कि इस रिपोर्ट को आधार बना कर केंद्र सरकार बिल तैयार कर सकती है। बहरहाल, जैसे भी हो लेकिन विधि आयोग की पहल और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से इसकी वकालत किए जाने के बाद यह तय माना जा रहा है कि इसका बिल आएगा। सभी पार्टियों ने अभी से इस पर अपनी स्थिति भी स्पष्ट करनी शुरू कर दी है। ऐसा लग रहा है कि यह बिल अनुच्छेद 370 हटाने जैसा साबित होगा, जिसका कोई पार्टी विरोध नहीं कर पाएगी। अगर लेफ्ट या मुस्लिम लीग और एमआईएम जैसी कोई पार्टी विरोध करती है तो ऐसी पार्टियों की संख्या गिनी चुनी होगी और विरोध करने वाले सांसदों की संख्या दहाई में भी बड़ी मुश्किल से पहुंचेगी। ध्यान रहे अनुच्छेद 370 पर पार्टियों ने भाषण चाहे जैसा दिया हो लेकिन किसी ने विरोध में वोट नहीं किया। उसी तरह समान नागरिक संहिता के मामले में हो रहा है। अगर विपक्षी पार्टियों की बात करें तो आम आदमी पार्टी ने इसका समर्थन कर दिया है। शिव सेना के उद्धव ठाकरे गुट ने भी इसका समर्थन किया है और बहुजन समाज पार्टी की नेता मायावती ने भी इसका समर्थन कर दिया है। जदयू नेता नीतीश कुमार ने इस पर सवाल को टाल दिया लेकिन वे भी विरोध नहीं करेंगे। सो, धीरे धीरे ज्यादातर पार्टियां समर्थन में आ जाएंगी या वोटिंग के समय गैरहाजिर रहेंगी। बिल राज्यसभा में भी ध्वनि मत से पास हो सकता है।

राजनीति की 'छोटी-छोटी दुकानों' के फायदे

● अजीत द्विवेदी

बिहार में पिछले दिनों सत्तारूढ़ गठबंधन की एक पार्टी हिंदुस्तान आवाम मोर्चा अलग हुई और एनडीए में शामिल हो गई। पार्टी के नेता और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि जनता दल यू के नेता चाहते थे कि वे अपनी पार्टी का विलय उसमें कर दें। जनता दल यू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह ने इस बात को स्वीकार किया कि उन्होंने मांझी से कहा था कि 'छोटी छोटी दुकान चलाने का क्या फायदा, जदयू में विलय कर लीजिए। इसमें क्या बुराई है'। लेकिन मांझी अपनी 'छोटी दुकान' का विलय जनता दल यू में करने को राजी नहीं हुए और भाजपा के साथ चले गए। वैसे उन्होंने अपनी पार्टी का गठन जदयू से अलग होकर ही किया था। 2014 के लोकसभा चुनाव में मिली हार के बाद नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था और मांझी को मुख्यमंत्री बनाया था। बाद में जब नीतीश ने मांझी को हटाया तो उन्होंने अलग पार्टी बना ली। उनकी पार्टी के चार विधायक हैं और नीतीश की सरकार में एक मंत्री पद भी मिला हुआ था। ललन सिंह ने मांझी की जिस पार्टी को 'छोटी दुकान' कहा उसका फायदा यह है कि पिछले लोकसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल ने उसे लोकसभा की तीन सीटें दी थीं और कहा जा रहा है कि इस बार भारतीय जनता पार्टी भी उसे एक लोकसभा सीट देगी।

लोकसभा सीट का फैसला तो बाद में होगा लेकिन 18 जुलाई को भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए की बैठक दिल्ली में होने वाली है, जिसमें जीतन राम मांझी भी शामिल होंगे। वे जब महागठबंधन से अलग हुए तो दिल्ली में अमित शाह से उनकी मुलाकात हुई और वे एनडीए में शामिल हुए। इसके तुरंत बाद उनके बेटे संतोष मांझी को केंद्र सरकार ने वाई प्लस श्रेणी की सुरक्षा मुहैया करा दी। सोचें, इस 'छोटी दुकान' के कितने फायदे हैं? बिहार में ऐसी कई 'छोटी दुकानें' हैं और उन्हें चलाने वाले कहीं न कहीं से बड़ा फायदा ले रहे हैं। बिहार के सत्तारूढ़ गठबंधन से अलग होकर उपेंद्र कुशवाहा ने राष्ट्रीय लोक जनता दल बना लिया है। वे भी 18 जुलाई को एनडीए की बैठक में शामिल होंगे और उनको लोकसभा की दो सीटें मिलने की चर्चा है। गठबंधन से अलग होते ही केंद्र सरकार ने उनको जेड श्रेणी की सुरक्षा दे दी थी। रामविलास पासवान की छोटी सी पार्टी दो अलग अलग पार्टियों में बंट गई है। एक पार्टी के नेता पशुपति पारस केंद्र सरकार में मंत्री हैं और दूसरे के नेता चिराग पासवान जल्दी ही केंद्र में मंत्री बनने वाले हैं। बिहार की एक और 'छोटी दुकान' मुकेश सहनी की है। हालांकि उनकी विकासशील इंसान पार्टी के तीनों विधायकों को भाजपा ने अपने में मिला कर उनकी दुकान पर ताला लगा दिया था लेकिन अब फिर भाजपा ही उनका ताला खोलने वाली है। बताया जा रहा है कि वे भी एनडीए में शामिल हो रहे हैं और उनको भी लोकसभा की एक सीट मिलेगी।

ऐसी 'छोटी छोटी दुकानों' की कहानी सिर्फ बिहार की नहीं है। उत्तर प्रदेश में जितनी भी छोटी पार्टियां हैं सबके दिन फिरने वाले हैं। अपना दल का पहले से भाजपा से तालमेल है और उसके दो सांसद हैं, जिनमें से एक अनुप्रिया पटेल केंद्र में मंत्री हैं। संजय निषाद की पार्टी भी भाजपा के साथ है और उनके बेटे प्रवीण निषाद सांसद हैं। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के साथ भी भाजपा का तालमेल होने वाला है और कहा जा रहा है कि उसके नेता ओमप्रकाश राजभर के बेटे को भाजपा लोकसभा की टिकट दे सकती है। राष्ट्रीय लोकदल अभी समाजवादी पार्टी के साथ है लेकिन उसके साथ भी भाजपा का तालमेल होने की चर्चा है। झारखंड में पिछले चुनाव में भाजपा ने सुदेश महतो की आजसू को लोकसभा की एक सीट दी थी तो राजस्थान में हनुमान बेनीवाल की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी को भी एक सीट दी थी। इस तरह से अगर देश भर की ऐसी छोटी छोटी पार्टियों की सूची बनाई जाए, जिनके साथ भाजपा, कांग्रेस या प्रदेश की बड़ी पार्टियों ने तालमेल किया था या आगे करेंगी तो वह सूची बहुत लंबी हो जाएगी।

बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड और राजस्थान की मिसाल देने का मकसद यह बताना है कि छोटी छोटी पार्टियां, जिनको ललन सिंह ने दुकान कहा था वो कितने फायदे में हैं। हर बड़ी पार्टी उनसे संपर्क कर रही है और अपने गठबंधन में शामिल होने का न्योता दे रही है। बड़ी पार्टियों के बड़े नेता उनसे मिल रहे हैं और उनकी ओर से की जाने वाली अनाप-शनाप मांगों पर विचार कर रहे हैं। पार्टियों में होड़ मची है कि किसकी गिनती ज्यादा होती है। पिछले दिनों संसद की नई इमारत का उद्घाटन हुआ तो 20 पार्टियों ने उस समारोह का बहिष्कार किया। इसके जवाब में कहा गया कि 30 से ज्यादा पार्टियों ने इसका समर्थन किया। सो, गठबंधन की ताकत दिखाने के लिए पार्टियों की गिनती कराई जा रही है। विपक्षी पार्टियों के एकजुट होने की कवायद से आशंकित भाजपा भी उसी तरह की कोशिश में जुट गई है। सारी प्रादेशिक पार्टियों के खत्म हो जाने की भविष्यवाणी करने वाली भाजपा हर राज्य में छोटी छोटी पार्टियों को साथ लेकर उनको जीवनदान दे रही है।

छोटी पार्टियों को सिर्फ इतना फायदा नहीं है कि उनकी पूछ बढ़ी है और किसी न किसी गठबंधन की ओर से उनको न्योता मिल रहा है और उनके नेताओं को वाई या जेड श्रेणी की सुरक्षा मिल रही है। उनको और भी कई फायदे हैं। अगर वे भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन में चली जाती हैं तो तमाम केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई से राहत मिल सकती है। अगर पहले से कार्रवाई नहीं चल रही है तो आगे कार्रवाई नहीं होने की गारंटी होगी और अगर चल रही है तो राहत की गारंटी होगी। अभी महाराष्ट्र में एनसीपी के नेता अजित पवार और उनके साथ राज्य सरकार में मंत्री बने नेता इसकी मिसाल हैं। अजित पवार सहित नौ मंत्रियों में से कम से कम चार के खिलाफ मामले चल रहे हैं। छोटी दुकान चलाने का एक फायदा यह भी है कि उसको मिलने वाले चंदे पर आयकर नहीं लगता है। यहां तक कि विदेश से मिलने वाले चंदे का भी हिसाब नहीं देना होता है। सो, चंदा देकर काले धन को सफेद बनाने का खेल भी चलता रहता है। भारत में इस समय छह राष्ट्रीय पार्टियां हैं और 54 राज्यस्तरीय मान्यता प्राप्त पार्टियां हैं। इनके अलावा 2,597 बिना मान्यता वाली पंजीकृत पार्टियां हैं। इनमें से 90 फीसदी के करीब पार्टियां ऐसी हैं, जिनका कोई सांसद या विधायक नहीं जीता है। बहुत सी पार्टियां ऐसी हैं, जो कभी चुनाव नहीं लड़ती हैं। फिर भी ये पार्टियां हैं, इनके नाम हैं, झंडे हैं, कार्यालय है और चंदा भी मिलता है तो वह बिना मतलब के तो नहीं होगा!

थाईलैंड कगार पर, लोकतंत्र लौटेगा या...

● श्रुति व्यास

थाईलैंड के प्रधानमंत्री प्रयुथ चान-ओ-चा ने राजनीति से सन्यास लेने की घोषणा की है। प्रयुथ चान-ओ-चा पूर्व सैनिक जनरल हैं और सन् 2014 में सैनिक विद्रोह के बाद सत्ता पर काबिज हुए थे। उनके नेतृत्व में ही कार्यकर्ताओं और राजनीतिक विरोधियों को गिरफ्तार किया गया। मीडिया पर सेन्सरशिप लागू हुई। बाद में सन् 2019 में संसद ने उन्हें प्रधानमंत्री नियुक्त किया।

किंतु इस साल मई में उनकी पार्टी को अपमानजनक हार का सामना करना पड़ा। उनकी पार्टी पांचवे नंबर पर रही झ उस नवोदित विपक्षी पार्टी से भी काफी पीछे जिसने सेना को राजनीति से दूर करने का वायदा किया था। राजपरिवार के कट्टर समर्थक और रूढ़िवादी इस नेता ने इस्तीफे की घोषणा करते हुए अपने वक्तव्य में कहा है कि उन्होंने अपनी ₹प्यारी जनता के हितों की खातिर राष्ट्र, धर्म और राजशाही के संरक्षण के लिए कड़ी मेहनत की₹ उनकी सेवानिवृत्ति थाईलैंड की संसद के नए प्रधानमंत्री चुनने के लिए जुटने की घोषणा के बाद हुई। भले ही प्रयुथ पीछे हट रहे हों परन्तु विश्लेषकों का कहना है कि जो अलोकतांत्रिक ढांचा उनके शासनकाल में खड़ा किया गया वह जैसे का तैसा है। थाईलैंड के चुनाव संबंधी कानूनों के अनुसार मूव फारवर्ड पार्टी के नेता पीटा लिमजारोईनरा को निचले सदन के 500 निर्वाचित सांसदों और सीनेट के 250 सदस्यों के बहुमत का समर्थन हासिल करना होगा। सीनेट के सदस्य पिछले तख्तापलट के बाद सेना द्वारा नियुक्त किए गए थे और यह साफ नहीं है कि वे पीटा का समर्थन करेंगे यह नहीं, जिनकी पार्टी मई में हुए चुनाव में पहले नंबर पर पर रही थी।

पीटा लिमजारोईनरा, जो 42 साल के हैं, हार्वर्ड में पढ़े हैं और आईटी टेकी हैं। उन्हें पढ़े-लिखे शहरियों का जबरदस्त समर्थन मिला। उनकी मूव फारवर्ड पार्टी ने राजधानी बैंकाक में लगभग पूरी जीत हासिल की और राष्ट्रीय स्तर पर भी चुनाव जीता। उनकी पार्टी की निर्णायक जीत की प्रशंसा और सराहना हुई। आखिर उसका गठन सन् 2020 में ही तो हुआ था।

गुरूवार को थाईलैंड की संसद इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर निर्णय लेने के लिए मतदान करेगी कि क्या सैनिक विद्रोह के जरिए सत्ता पर काबिज होकर दस सालों तक राज करने वाले पूर्व सैन्य जनरल के बाद देश के सबसे लोकप्रिय और प्रगतिशील दल के नेता को सत्ता सौंपी जाए या नहीं? यदि पीटा को पर्याप्त वोट नहीं मिले तो राजनीतिक गतिरोध और उनके समर्थकों के विरोध प्रदर्शनों की स्थिति बन जाएगी। और स्थानीय मीडिया की खबरों के अनुसार ऐसा होने पर, मतदान के दौरान लोगों को विरोध प्रदर्शन के लिए संसद के नजदीक निर्धारित स्थान उपलब्ध कराया जाएगा। इस बीच पीटा बहुमत और प्रधानमंत्री पद हासिल करने के लिए प्रयासरत हैं। उन्होंने सीनेटरों से जनता की इच्छा का सम्मान करने की अपील की है। हाल में जनसमूह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वे सीनेटरों से आग्रह कर रहे हैं कि लोकतंत्र के पक्ष में मत दें ताकि आगे बढ़ा जा सके।

सू- दोकू क्र. 125

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.124 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2

शब्द सामर्थ्य -125

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. घुमाव-फिराव वाला, आड़ा-तिरछा, जो कठिन हो 3. कुशलता, दक्षता, विशेषज्ञता 6. लोग, प्रजा 7. सीता, जनकनंदनी 9. सुंदर, कामना करने योग्य 10. क्रोधपूर्वक बोलने को उद्यत होना, जोश में आना, क्रोधातिरेक में चेहरे का लाल होना 13. अधीनता, मातहती, वश 14. दबाव, भार, वजन 16. हद, मर्यादा 18. प्रमाण-पत्र, प्रमाणिक कथन या बात 19. पछताना (मुहा.) 21. अनुचित मिश्रण, मिलावट 22. विफल, बेहोश, बौखलाया हुआ।

ऊपर से नीचे

1. सहारा, आश्रय, प्रतिज्ञा, संकल्प 2. परिश्रम 4. रात, रात्रि, निशा 5. पुत्र, बेटा 8. मूल्य, दाम 9. कपड़े का मोटा परदा 11. संदेश भेजना, उच्चारण कराना, कहलवाना 12. मृतकों को जीवित और रोगियों को स्वस्थ कर देने वाला व्यक्ति, प्रेमपात्र की संज्ञा 14. देने की क्रिया, खैरात 5. कुमार्गी, दुराचारी 17. मस्तक, माथा, ललाट 18. प्रश्न, समस्या 20. सहायता, सहारा 21. पशुओं को खिलाने वाली हरी पत्तियां, तृण, तिनका।

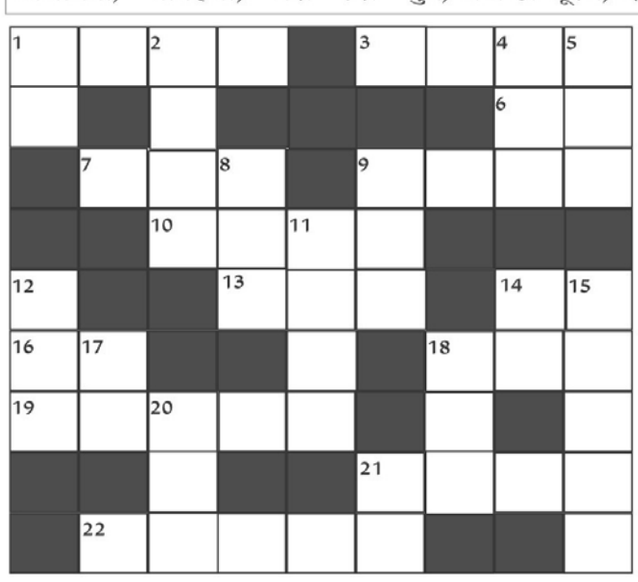

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 124 का हल

ज	द्दो	जे	ह	द	■	स	पू	त
ल	■	ब	ल	वा	न	■	■	द
म	ह	क	■	खा	म	खां	■	बी
ग्न	■	त	ल	ना	■	स	फ	र
■	म	रा	■	■	■	ना	टा	■
■	हि	■	स	■	■	■	फ	न
■	ला	ज	वा	ब	■	म	ट	र
मां	■	ग	■	सं	त	ति	■	भ
■	मा	त	ह	त	■	■	प	क्षी

आज का राशिफल

मेष : (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)

आज आपका दिन अच्छा रहेगा। घर में नए मेहमान के आने की संभावना है, जिससे परिवार का माहौल बदल जायेगा। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा व सहयोग कर आपको खुशी मिलेगी। प्रेमी के लिए दिन बढिया है। आपको कोई बड़ा ऑफर मिलने से धन लाभ हो सकता है। कामकाज में आप बहुत बिजी हो सकते हैं। किसी खास काम के लिए परिवार के लोगों को आपसे उम्मीद हो सकती है। धन लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। स्वास्थ्य सुधार होगा।

वृष : (ई, ऊ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो)

आज आपका दिन श्रेष्ठ रहेगा। घर-परिवार में किसी मांगलिक आयोजन की रूपरेखा बनेगी। विद्यार्थी अपना समय अध्ययन में लगायेंगे, इससे उन्हें सफलता मिलेगी। आप सुबह के समय वर्क आउट शुरू कर सकते हैं, जिससे आप चुस्त-दुरुस्त बने रहेंगे। आपको व्यवसाय से जुड़े सुनहरे अवसर प्राप्त होंगे। सामाजिक स्तर पर आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी। आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी मिलेगी। नौकरीपेशा लोगों को कामकाज में लाभ मिलेगा। कार्यस्थल पर आपका कामकाज बहुत शानदार रहेगा। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

मिथुन : (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, हा)

आज आपका दिन पहले की अपेक्षा बेहतर रहेगा। आप अपनी ऊर्जा अच्छे कार्यों में लगा सकते हैं। इस राशि के सरकारी कर्मचारियों को लाभ मिलेगा। आपको अपनी मेहनत के हिसाब से फल की प्राप्ति होगी। नए व्यापार के सिलसिले में की गई यात्रा फायदेमंद हो सकती है। जीवनसाथी का सहयोग मिलने से आपका मन उत्साह से भरा होगा। अगर आप बिजनेस में अनुभवी लोगों की सलाह लेकर आग बढ़ेंगे, तो आपको मुनाफा मिल सकता है। मेहनत रंग लायेगी।

कर्क : (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)

आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार संबंधी यात्राओं का योग बन रहा है। इससे आपको धन संबंधित फायदा होगा। किसी काम की गति धीमी हो सकती है। इससे आपकी परेशानी थोड़ी बढ़ भी सकती है। जीवनसाथी के साथ आपके रिश्ते बेहतर होंगे। दोस्तों के साथ कहीं घूमने जाने का प्रोग्राम आपको कैंसिल करना पड़ सकता है। किसी के प्रति अपनी राय को अपने तक ही सीमित रखना चाहिए। तली-भुनी चीजों को खाने से आपको बचना चाहिए। इससे आपके सेहत पर भी असर पड़ेगा।

सिंह : (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे)

आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। जीवनसाथी की बेहतर सलाह से आपको पैसे कमाने का नया जरिया प्राप्त हो सकता है। साथ ही उनके साथ बिताएं गए कुछ पल आपके रिश्ते को और भी मजबूत बनायेंगे। मित्रों के साथ किसी बात को लेकर थोड़ी बहस हो सकती है। आपको अपने गुस्से पर पूर्ण नियंत्रण रखना चाहिए। आप खुद को उर्जा से भरा हुआ फील कर सकते हैं। आपको जल्दबाजी में कोई फैसला करने से बचना चाहिए, बल्कि सावधानीपूर्वक फैसला लेना चाहिए। आपकी सभी समस्याओं का निवारण होगा।

कन्या : (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)

आज आपका दिन उत्तम रहेगा। कोई जरुरी घरेलू काम निपटाने में आप सफल रहेंगे। प्रेम-संबंध में आपको कोई सुखद सरप्राइज मिलेगा। दोस्तों के साथ बाहर पर जाने से आपको खुशी मिलेगी। धन से जुड़ी चिंताएं छूमंतर हो जाएगी। साथ ही रुके हुए धन की प्राप्ति भी होगी। कार्यक्षमता के बल पर आपको आगे बढने के कई मौके मिलेंगे। नींद पूरी होने के कारण आप बेहतर महसूस करेंगे। माता-पिता के सहयोग से आप जीवन में आगे बढ़ेंगे। आपको धन लाभ होगा।

तुला : (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते)

आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आपको मित्रों से कुछ बेहतर सलाहमिल सकती है। आपकी सेहत में उतार-चढ़ाव रहेगा, जिससे काम में मन कम ही लग सकता है। आपको किसी भी अनजान व्यक्ति पर भरोसा करने से बचना चाहिए। आप जरूरतमंद लोगों की तरफ मदद का हाथ बढ़ा सकते हैं। किसी भी तरह के बड़े निवेश में किसी अनुभवी की सलाह लेना बेहतर रहेगा। छात्रों को अधिक मेहनत करने की जरुरत है। दाम्पत्य संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। आपकी सभी मनोकामना पूरी होगी।

वृश्चिक : (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू)

आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। आप व्यापार में योजनाबद्ध तरीके से काम कर सकते हैं। आपका कुछ अच्छा खाने का मन कर सकता है। घर-परिवार का वातावरण शांतिदायक बना रहेगा। आपका आध्यात्मिकता की ओर रुझान हो सकता है। उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न होंगे। घर पर मेहमानों का आगमन हो सकता है। करियर में आपको कोई बड़ी सफलता हासिल हो सकती है। साथ ही आपका सकारात्मक रवैय्या करियर में आपको बेहतरी दिलायेगा।

धनु : (ये, यो, भा, भी, भू, ध, फा, ढा, भे)

आज आपका दिन शानदार रहेगा। नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन लाभकारी है। उन्हें काम से जुड़ी कोई खुशखबरी मिलेगी। सही योजना के तहत आप अपने करियर में बदलाव लाने में सफल होंगे। आप कार्यक्षेत्र में चुनौतियों का सामना करने में सक्षम रहेंगे। आपका खुशनुमा व्यवहार घर में रौनक का माहौल बना देगा। जीवनसाथी के साथ रोमांटिक शाम का प्रोग्राम बनेगा, जिससे रिश्तों में मिठास आयेगी। सामाजिक स्तर पर लोगों की मदद के लिए आगे बढ़ेंगे। मीडिया के क्षेत्र से जुड़े लोगों को सुनहरे अवसर प्राप्त होंगे। आपके सभी काम बनेंगे।

मकर : (भो, जा, जी, खी, खू, खा, खो, गा, गी)

आज आपके सभी कष्ट दूर होंगे। आपको आर्थिक रूप से अपने सगे संबंधियों की मदद मिल सकती है। करियर में आपको अपने गुरु का सहयोग प्राप्त हो सकता है। अपनी सेहत को बेहतर बनाये रखने के लिए आपको सुबह के समय टहलना चाहिए। आप नकारात्मक सोच रखकर स्वयं को थोड़ा उदास रख सकते हैं। परिवार वालों के साथ किसी टूर का प्लान बना सकते हैं। लेन-देन के मामलों में आपको सावधानी बरतने की जरूरत है। कामकाज की अधिकता आपके सेहत पर असर डाल सकती है।

कुंभ : (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)

आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आपको किसी से कोई उपहार मिलेगा। इससे आपका मन खुश रहेगा। परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण रहेगा। दाम्पत्य जीवन में आपसी सामंजस्य बेहतर रहेगा। सेहत के लिहाज से आप चुस्त-दुरूस्त रहेंगे। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य प्राप्ति के लिए शिक्षकों का पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। कुछ लोग आपसे प्रभावित होंगे। साथ ही वो आपसे जुडने की कोशिश भी करेंगे। लोगों का सहयोग मिलेगा।

मीन : (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)

आज आपका दिन बढिया रहेगा। आपके अंदर आत्मविश्वास की अधिकता होगी। नौकरी पेशा लोगों को तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। परिवार के साथ धार्मिक यात्रा की योजना बना सकते हैं। आपको व्यापार में मुनाफा होने की उम्मीद है। आपका स्वास्थ्य पहले की अपेक्षा बेहतर रहेगा। दाम्पत्य जीवन में सलाह-मशविरा से आगे बढने से नजदीकी बढ़ेगी। विद्यार्थियों को अपने विषय में आ रही समस्या का हल मिलेगा। जीवन में आपकी तरक्की सुनिश्चित होगी। किसी नजदीकी के लिए चिंता ध्यान आकर्षित करेगी।

RNI Title Code - JHAHIN01027 स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक डॉ. सिकंदर कुमार द्वारा माँ भवानी आर्ट भागलपुर रोड नीयर सिनेमा हॉल दुधानी दुमका से मुद्रित एवं झारखंड देखो कार्यालय मजिस्ट्रैट कॉलोनी बंदरजोरी, दुमका से प्रकाशित प्रधान संपादक डॉ. सिकंदर कुमार (मो. नं. 9955599136)
(इस अंक में प्रकाशित समाचारों का चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी)

प्लेटलेट्स खत्म होने से काफी पहले दिख जाते हैं 7 लक्षण

मानसून में इम्युनिटी बहुत ज्यादा कमजोर पड़ जाती है। जिसकी वजह से सीजनल बुखार, खांसी-जुकाम हो सकता है। इस मौसम में डेंगू का खतरा भी काफी बढ़ जाता है। जिसमें प्लेटलेट्स गिरने से मरीज की जान भी जा सकती है। इसके शुरुआती लक्षण आम बुखार से बिल्कुल अलग होते हैं। जिन्हें नजरअंदाज करने पर प्लेटलेट्स कम होने की नौबत आ सकती है।

डेंगू का मच्छर काटने के 4 से 7 दिन के भीतर लक्षण दिखने शुरू हो जाते हैं। ये लक्षण हर व्यक्ति में अलग-अलग हो सकते हैं और डेंगू वायरस से संक्रमित सभी व्यक्तियों को लक्षणों का एक ही सेट अनुभव नहीं होता। अगर आपको डेंगू की बीमारी का शक है तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं।

101 से ज्यादा बुखार

डॉक्टर ने कहा कि डेंगू में 4 से 7 दिन के अंदर तेज बुखार शुरू हो जाता है। इसमें मरीज का बॉडी टेंप्रेचर 101 से लेकर 104 डिग्री फारेनहाइट तक हो सकता है। यह सबसे पहला और मुख्य संकेत है, जो 2 से 7 दिन तक लगातार परेशान कर सकता है।

भयंकर सिरदर्द

डेंगू इंफेक्शन के कारण मरीज को गंभीर सिरदर्द हो सकता है। ये दर्द अक्सर तेज और भयंकर होता है। यह समस्या आपको आंखों के पीछे या कनपटी के पास हो सकती है।

मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द

डेंगू को हड्डी तोड़ बुखार भी कहा जाता है, क्योंकि यह मांसपेशियों, हड्डियों और जोड़ों में भयंकर दर्द करता है। इसकी वजह से मरीज को बेचैनी रहती है और आराम नहीं मिल पाता।

थकान और कमजोरी

थकान, एनर्जी की कमी और कमजोरी महसूस करना डेंगू बुखार का एक खास लक्षण है। इसी कारण डेंगू के बुखार की वजह से मरीज बिस्तर से उठने की हिम्मत नहीं कर पाता।

आंखों का दर्द

बुखार के साथ आंखों का दर्द भी परेशान कर सकता है। डॉक्टर के मुताबिक, ये दर्द आंख हिलाने पर ज्यादा तकलीफ देता है और व्यक्ति को देखने में भी पीड़ा होती है।

शरीर पर दाने

बुखार शुरू होने के लगभग 2 से 5 दिन बाद शरीर पर दाने आने लगते हैं। जो कि आमतौर पर शरीर के धड़ पर शुरू होते हैं और फिर दूसरे अंगों या कभी-कभी चेहरे तक फैल जाते हैं। ये रैशेज स्किन पर लाल या गुलाबी धब्बे या पैच के रूप में दिखाई दे सकते हैं और इनमें खुजली भी हो सकती है।

हल्की ब्लीडिंग के निशान

डेंगू के कुछ मामलों में स्किन के नीचे हल्की ब्लीडिंग हो सकती है। इसके कारण शरीर पर छोटे लाल या बैंगनी धब्बे बनने लगते हैं, जिन्हें पेटीचिया कहा जाता है। आपके मसूड़े या नाक से भी खून बहने लगता है। डॉक्टर ने इस लक्षण को दुर्लभ बताया है, लेकिन इससे मरीज को सतर्क रहने की जरूरत होती है।

लिवर कई सारे काम करता है। शराब इसकी सबसे बड़ी दुश्मन है, जो इसे गलाकर फैटी लिवर, लिवर सिरोसिस जैसी खतरनाक बीमारी बना सकती है। मगर शराब के अलावा भी कुछ खाद्य पदार्थ लिवर को खराब कर सकते हैं। इस बीमारी को नॉन-एल्कोहॉलिक फैटी लिवर डिजीज कहा जाता है।

लिवर के लिए शराब से भी ज्यादा खतरनाक हैं ये फूड

खाना पचाने से लेकर खून साफ करने तक लिवर कई सारे काम करता है। गहरे लाल-भूरे रंग वाले इस अंग का वजन 1500 ग्राम के करीब होता है। शराब इसकी सबसे बड़ी दुश्मन है, जो इसे गलाकर फैटी लिवर, लिवर सिरोसिस जैसी खतरनाक बीमारी बना सकती है। मगर शराब के अलावा भी कुछ खाद्य पदार्थ लिवर को खराब कर सकते हैं। इस बीमारी को नॉन-एल्कोहॉलिक फैटी लिवर डिजीज कहा जाता है। यानी कम या बिल्कुल शराब ना पीने वाले लोगों के लिवर की सेल्स में फैट का बढ़ना। यह बीमारी दुनियाभर में काफी तेजी से बढ़ रही है और जवानी में ही लिवर डैमेज कर सकती है।

हाई ट्राइग्लिसराइड फूड

नॉन-एल्कोहॉलिक फैटी लिवर का बड़ा कारण हाई ट्राइग्लिसराइड वाले फूड हैं। इसलिए इन्हें कंट्रोल में खाना चाहिए।

नारियल, आलू, चावल, हनी सिरप, मक्खन आदि में ये फैट बहुत ज्यादा होता है।

हाई ग्लाइसेमिक इंडेक्स फूड

हाई ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाली चीजें खाने से प्री-डायबिटीज और डायबिटीज का खतरा होता है। जो फैटी लिवर की बीमारी का मुख्य कारण है। इसलिए गुलाब जामुन, अन्य मिठाई, सफेद ब्रेड, आलू, सफेद चावल, सॉफ्ट ड्रिंक आदि खाने से पहले सावधान हो जाएं।

मोटापा बढ़ाने वाली चीजें

मोटापा बढ़ने के साथ भी चुपचाप लिवर पर फैट चढ़ सकता है। इसलिए आप ज्यादा खाना खाने, मीठा, प्रोसेस्ड फूड, जंक फूड, फैट फूड, तेल आदि का सेवन ना करें। यह खाद्य पदार्थ लिवर को खराब कर सकते हैं।

त्रिफला चूर्ण से करें लिवर की सफाई

त्रिफला चूर्ण को लिवर की सफाई करने वाला माना जाता है। जिससे फैट कम हो जाता है और इसका कामकाज बढ़ जाता है। त्रिफला पाउडर को आंवला, हरड़ और बहेड़ा का पाउडर मिलाकर बनाते हैं। इसका सेवन करने से लिवर डिटॉक्स होता है।

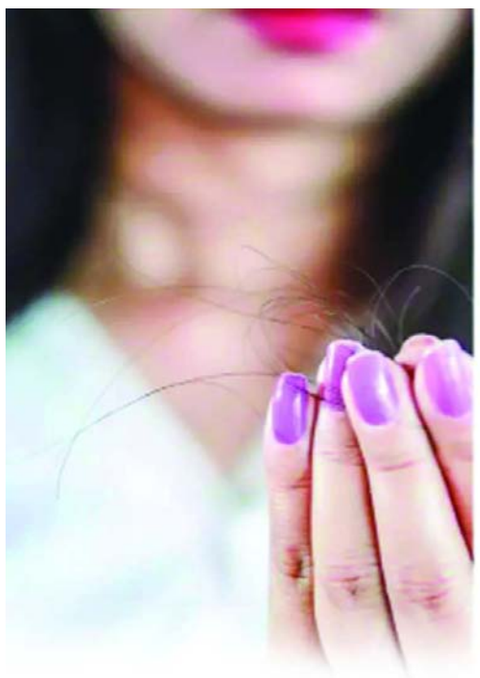

बालों के झड़ने की समस्या को कैसे दूर करें

अपने बालों को सही तरीके से सुखाएं

अपने बालों को सुखाने के लिये माइक्रोफाइबर तौलिए का इस्तेमाल करें, यह तुरंत ही पानी को सोख लेता है और आपके बालों तथा तौलिए के बीच कम से कम घर्षण होता है।

शैम्पू

भले ही बारिश में भीगने का आनंद लें लेकिन उसके बाद बालों को जरूर धोएं। बारिश के पानी को हटाने के लिये शैम्पू से अपने बालों को धोएं, क्योंकि बारिश का पानी गंदगी से भरा होता है। नमी वाले इस मौसम में चिपचिपेपन और पसीने को दूर रखने के लिए हफ्ते में 2-3 बार शैम्पू करें।

कंडीशनर लगाएं

बारिश के पानी के साथ बालों में आने वाली उलझन को सुलझाने के लिये एक अच्छा कंडीशनर जरूरी है। बालों को झड़ने से रोकने वाले कंडीशनर का इस्तेमाल करें ताकि आपके बालों में नमी लॉक हो जाए और उसे मजबूती और सुरक्षा मिले।

बालों में तेल लगाना बेहद जरूरी है

अपने बालों में तेल जरूर लगाएं, लेकिन बालों को टूटने से बचाने के लिये हल्के हाथों से मसाज करें। हफ्ते मे एक या दो बार सही पोषण के लिये अच्छा है, हालांकि बार-बार तेल लगाने की सलाह नहीं दी जाती है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि हवा में मौजूद अत्यधिक नमी की वजह से सिर पर पहले से ही ऑयल होता है।

सही कंघी का चुनाव करें

गीले बालों में कंघी ना करें, क्योंकि इससे वे कमजोर हो जाते हैं। अपने बालों को आसानी से सुलझाने के लिये चौड़े दांतों वाले कंघे का इस्तेमाल करें। यदि घरेलू उपचारों से बालों के झड़ने में कोई सुधार नजर नहीं आ रहा तो फिर इंतजार ना करें।

होम्योपैथिक उपचार

- विस्बाडेन 30सी, कुछ महीनों के लिये दिन में दो बार - बालों के प्राकृतिक विकास को बढ़ावा देता है।
- फ्लोरिक एसिड 6सी, 5 गोलियां दिन में दो बार - पैची बालों के झड़ने का इलाज करने में मदद करता है और स्वस्थ प्राकृतिक बालों के विकास को बढ़ावा देता है।
- सीपिया, सल्फर, फॉस्फोरिक एसिड, लैकेसिस और ग्रेफाइट्स - बालों के झड़ने के इलाज में मदद करते हैं।
- थूजा ऑक्सिडेंटैलिस 30सी, 5 गोलियां महीने में केवल एक बार दिन में दो बार- बालों के झड़ने के आनुवंशिक कारण के लिये।

बारिश के मौसम में झड़ते बालों को न करें नजरअंदाज

जिस तरह मानसून में बारिश का होना तय है, उसी तरह इस मौसम में बालों का झड़ना भी निश्चित है। यदि इस मौसम में आपके बाल भी सामान्य से थोड़े ज्यादा झड़ रहे हैं तो यह बिल्कुल सामान्य बात है। जी हां, इस बात से घबराने की कोई जरूरत नहीं है। वर्ल्ड ट्राइकोलॉजी सोसाइटी के अध्ययन में यह बात सामने आई है कि नमी वाले मौसम में बालों का झड़ना लगभग 30 प्रतिशत तक बढ़ जाते हैं।

बारिश के मौसम में क्यों झड़ते हैं बाल

मानसून में पर्यावरण में मौजूद अत्यधिक नमी की वजह से बाल झड़ते हैं। बाल इस नमी को सोख लेते हैं और रूखे, उलझे और बेजान नजर आते हैं। इसकी स्वाभाविक नमी कम होती है, जिसकी वजह से सिर की त्वचा भी रूखी नजर आती है। ये बालों के फॉलिकल्स को कमजोर बनाते हैं और बाल झड़ने लगते हैं। नमी के बढ़ने से बालों के फॉलिकल्स बंद हो जाते हैं और जिससे बाल चिपचिपे हो जाते हैं।

एक दिन में कितने बाल झड़ना सामान्य बात

नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इन्फॉर्मेशन (एनसीबीआई) के अनुसार, सामान्य मौसम में एक दिन में व्यक्ति के 80-100 बाल झड़ते हैं। जबकि मॉनसून के दौरान, एक व्यक्ति के प्रतिदिन 250 बाल झड़ते हैं।

बाल झड़ने का कारण

बालों का झड़ना अनियंत्रित थायरॉइड के स्तर, एनीमिया (हीमोग्लोबिन का निम्न स्तर), हॉर्मोन्स का सही रूप में काम ना करना, पॉलिसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम (पीसीओएस) और हाई ब्लड प्रेशर के भी संकेत हो सकते हैं। यही वजह है कि बालों के असामान्य तरीके से झड़ने पर जल्द से जल्द डॉक्टर से संपर्क करने की सलाह दी जाती है। बालों के झड़ने की समस्या को नजरअंदाज करने से यह कई लोगों में पूरी तरह से गंजेपन का कारण बन सकती है, खासकर उन लोगों में जिन्हें आनुवंशिक रूप से बालों के झड़ने की समस्या का जोखिम है। द ट्राइकोलॉजिकल सोसाइटी, लंदन के पहले भारतीय अध्यक्ष डॉ. अक्षय बत्रा के अनुसार बालों के झड़ने को होम्योपैथी दवाओं और उपचार की मदद से आसानी से नियंत्रित किया जा सकता है। ये दवाएं बिना किसी साइड इफेक्ट के बालों के झड़ने के मूल कारण का उपचार कर बालों की स्थिति को बेहतर बनाती है। ये बालों को जड़ों से पोषण देने और बालों के फिर से निकलने में मदद करती हैं। होम्योपैथी दवाएं पूरी जांच और केस का मूल्यांकन करने के बाद दी जाती हैं, जिसमें रोगी की मेडिकल हिस्ट्री और उनकी मानसिक और शारीरिक बनावट भी शामिल है।

दिमाग को चुपचाप सिकोड़ रहे हैं 3 काम

हमारे क्लाइमेट में तेजी से बदलाव आ रहा है और ये दिमाग के लिए खतरनाक साबित हो रहा है। कुछ शोध बताते हैं कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण इंसानों के दिमाग का साइज करीब 10 प्रतिशत तक सिकुड़ गया है। हमारे रोजमर्रा के 3 काम भी दिमाग को ठप कर सकते हैं। न्यूट्रिशनिस्ट के मुताबिक, अनहेल्दी डाइट, अत्यधिक मीठा और एक्सरसाइज न करने पर दिमाग की ताकत कम होती रहती है। इसका सबसे पहला लक्षण याददाश्त कमजोर होना है। आप इस समस्या को 6 जड़ी-बूटियों से ठीक कर सकते हैं। आइए ब्रेन के लिए लाभदायक इन हर्बल टॉनिक के बारे में जानते हैं।

करक्यूमिन

दिमाग तेज करने के लिए हल्दी जरूर खाएं। इसमें करक्यूमिन होता है। यह कंपाउंड अल्जाइमर की बीमारी को रोकता है और याददाश्त मजबूत करने में मदद करता है। आप इसे खाने के अंदर या हर्बल चाय बनाकर ले सकते हैं।

ब्राह्मी

ब्राह्मी एक आयुर्वेदिक जड़ी-बूटी है, जिसे कई सारे ब्रेन टॉनिक बनाने में इस्तेमाल किया जाता है। यह आपकी याददाश्त बढ़ाने के साथ मानसिक समस्याओं को दूर रखने में मदद करती है। बच्चों का दिमाग शार्प करने के लिए भी इसका सेवन करवाया जा सकता है।

शंखपुष्पी और अश्वगंधा

न्यूट्रिशनिस्ट अंजलि मुखर्जी ने ब्रेन हेल्थ के लिए शंखपुष्पी और अश्वगंधा को फायदेमंद बताया है। आप इन हर्बल ब्रेन टॉनिक का उपयोग करके

याददाश्त बढ़ा सकते हैं। ये दोनों हर्ब्स दिमाग की ताकत कम होने से बचाती हैं।

गिंको बाइलोबा

दुनियाभर में ब्रेन फंक्शन बढ़ाने के लिए गिंको बाइलोबा का इस्तेमाल किया जाता है। इसमें काफी सारे एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो उम्र बढ़ने के बावजूद दिमाग को जवान रखते हैं। यह ब्लड सर्कुलेशन भी बढ़ाती है, जिससे न्यूरल फंक्शन में सुधार आता है।

लेसिथिन

यह कंपाउंड सोयाबीन और अंडे के पीले भाग में मिलता है। यह कई सारे फैट्स का मिक्सचर होता है। सेल्स को सही तरह से कामकाज करने के लिए इसकी जरूरत होती है। यह दिमाग में acetylcholine बनाने में भी मदद करता है।